बर्षः- 06
अंकः- 52
मुरादाबाद
(Friday)
12 June 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

नीति आयोग की बैठक, PM मोदी की अध्यक्षता में बैठक संपन्न ;मुख्यमंत्रियों संग विकसित भारत पर किया मंथन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की बैठक हो गई है। इस बैठक में राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि समेत कई अहम हस्तियां शामिल हो रही है। इस दौरान विकसित भारत पर मंथन किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार की अध्यक्षता में आज गुरुवार को यहां राष्ट्रपति भवन कल्चरल सेंटर में नीति (NITI) आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल मीटिंग जारी है। एक ऑफिशियल बयान के मुताबिक इस साल की थीम विकासशील भारत @2047 के लिए समावेशी मानव विकास है, जो हर भारतीय की भलाई और विकास पर फोकस करती है, चाहे उसकी उम्र, क्षेत्र, जेंडर या सामाजिक-आर्थिक बैकग्राउंड कुछ भी हो।

बयान में कहा गया है कि गवर्निंग काउंसिल की मीटिंग में इस विजन को पूरा करने और इसे देश भर के हर नागरिक के लिए ठोस, मापने लायक नतीजों में बदलने के तरीके पर चर्चा की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक इस मीटिंग में मुख्यमंत्रियों और लेफ्टिनेंट गवर्नरों को इंक्लूसिव ह्यूमन डेवलपमेंट फ्रेमवर्क पर चर्चा करने के लिए एक साथ लाया जाएगा।

ये बुनियादी ह्यूमन कैपिटल और भविष्य के लिए तैयार स्किल्स, प्रोडक्टिव रोजगार, एंटरप्रेन्योरशिप और डीसेंट्रलाइज्ड ग्रोथ, हेल्थ, न्यूट्रिशन और वेलबीइंग, और सभी के लिए बराबरी और सम्मान के चार मुख्य पिलर पर आधारित है। मीटिंग में एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने, स्किलिंग बढ़ाने और देश भर में टिकाऊ रोजगार के मौके बनाने के उपायों पर भी चर्चा की जाएगी। चर्चा में मिलकर एक इम्प्लीमेंटेशन रोडमैप बनाने पर भी फोकस किया जाएगा, जिसमें गवर्नेंस, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI), कन्वर्जेंस, पार्टनरशिप और डेटा-ड्रिवन सिस्टम जैसे मुख्य इनेबलर्स का इस्तेमाल किया जाएगा. साथ ही शॉर्ट, मीडियम और लॉन्ग-टर्म नतीजों को ट्रैक करने के लिए एक स्ट्रक्चर्ड मैकेनिज्म भी होगा, जिससे अकाउंटेबिलिटी और मेजरेबल असर पक्का होगा। इसका एक मुख्य जोर राज्यों के विजन को नेशनल विजन ऑन इनक्लूसिव ह्यूमन डेवलपमेंट के साथ अलाइन करने पर होगा, जिससे इक्विटेबल और सस्टेनेबल ग्रोथ के लिए एक यूनिफाइड और कोलेबोरेटिव अप्रोच को मजबूत किया जा सके। नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल 26 से 28 दिसंबर, 2025 तक हुए चीफ सेक्रेटरीज के 5वें नेशनल कॉन्फ्रेंस की सिफारिशों पर भी फोकस करेगी। कॉन्फ्रेंस के दौरान पांच खास थीम पर सुझाव दिए गए, जिनमें शामिल हैं- बचपन की शिक्षा नींव रखना, स्कूलिंग, बिल्डिंग ब्लॉक्स स्किलिंग, भविष्य के लिए तैयार वर्कफोर्स, हायर एजुकेशन, नॉलेज इकॉनमी और स्पोर्ट्स और एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटी, क्लासरूम से आगे। 11वीं गवर्निंग काउंसिल मीटिंग में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के गवर्नर/एडमिनिस्ट्रेटर, केंद्रीय मंत्री (एक्स-ऑफिशियो मेंबर और स्पेशल इनवाइटी के तौर पर), और नीति आयोग के वाइस चेयरमैन, मेंबर और सीईओ शामिल होंगे. इस बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल मीटिंग में हिस्सा लेने के लिए तीन दिन के दौरे पर बुधवार को नई दिल्ली पहुंचे। पिछले महीने ऑफिस संभालने के बाद से यह उनका दूसरा राष्ट्रीय राजधानी दौरा है और इस पर खास राजनीतिक और एडमिनिस्ट्रेटिव कामों की उम्मीदों के बीच करीब से नजर रखी जा रही है. उनके साथ गए लोगों में पर्सनल असिस्टेंट जगदीश, विष्णु रेड्डी, राजकुमार, जगदीश अवस्थी, असिस्टेंट राजेंद्रन और मुख्यमंत्री ऑफिस से जुड़े दूसरे अधिकारी शामिल थे। सूत्रों ने बताया कि विजय के मीटिंग में बोलने और काउंसिल के सामने तमिलनाडु की प्रायोरिटी और चिंताएं रखने की उम्मीद है. उनका हिस्सा लेना ऐसे समय में हो रहा है जब नई चुनी गई तमिलनाडु सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, वेलफेयर इनिशिएटिव्स और डेवलपमेंट प्रोग्राम्स के लिए केंद्र से ज़्यादा फाइनेंशियल मदद मांग रही है। इसके अलावा, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि वह आने वाली मीटिंग में एक्टिवली हिस्सा लेंगे और राज्य की चिंता के मुद्दे उठाएंगे. उन्होंने कहा, %हम मीटिंग में शामिल हो रहे हैं, और मैं कर्नाटक के हितों से जुड़े मामले रखूंगा. प्रधानमंत्री ने जिस दिन मैंने ऑफिस संभाला था, उसी दिन मुझे अपने सहयोग का भरोसा दिया था. हम डेवलपमेंट के हित में मिलकर काम करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक को लेकर सरकार की तरफ से जारी बयान में कहा गया, 11वीं बैठक का विषय टीम इंडिया की प्रधानमंत्री की परिकल्पना के अनुरूप है। इसका लक्ष्य हर भारतीय के कल्याण और विकास पर केंद्रित है। इसमें आयु, क्षेत्र, लिंग या सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि का कोई भेद नहीं होगा। गवर्निंग काउंसिल बैठक में इस दृष्टिकोण को साकार करने पर विचार होगा। इसे देश के प्रत्येक नागरिक के लिए ठोस परिणामों में बदलने पर भी चर्चा होगी।समावेशी विकास के मुख्य स्तंभ- यह ढांचा चार मुख्य स्तंभों पर आधारित है। इनमें मूलभूत मानव पूंजी और भविष्य के लिए तैयार कौशल शामिल हैं। उत्पादक रोजगार, उद्यमिता और विकेन्द्रीकृत वृद्धि भी एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। स्वास्थ्य, पोषण और कल्याण तथा सभी के लिए समानता और गरिमा अन्य स्तंभ हैं। कार्यान्वयन और सिफारिशों पर मंथन- चर्चा में एक कार्यान्वयन रोडमैप तैयार करने पर भी ध्यान दिया जाएगा। इसमें शासन, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा और साझेदारी जैसे कारक शामिल होंगे। नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल मुख्य सचिवों के 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन की सिफारिशों पर भी विचार करेगी। यह सम्मेलन 26 से 28 दिसंबर, 2025 तक आयोजित हुआ था। सिफारिशों में प्रारंभिक बचपन शिक्षा, स्कूली शिक्षा, कौशल विकास, उच्च शिक्षा और खेल जैसे विषय शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

साइबर अपराधियों से सावधान, अब एआई से बना रहे असली लगने वाले डीपफेक वीडियो और नकली पहचान

आज कल सिंथेटिक आइडेंटिटी बनाने के लिए एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है। इन तकनीकों के जरिए फेशियल ऑथेंटिकेशन, लाइवनेस वेरिफिकेशन, वीडियो-केवाईसी, अकाउंट रिकवरी और फाइनेंशियल व डिजिटल सेवाओं तक पहुंच संभव हो गया है। साइबर अपराधी अब असली लगने वाले डीपफेक वीडियो और नकली पहचान (सिंथेटिक आइडेंटिटी) बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का तेजी से इस्तेमाल कर रहे हैं। इन तकनीकों का इस्तेमाल फेशियल ऑथेंटिकेशन, लाइवनेस वेरिफिकेशन, वीडियो-केवाईसी, अकाउंट रिकवरी और फाइनेंशियल व डिजिटल सेवाओं तक अनधिकृत पहुंच (बिना इजाजत एक्सेस) पाने के लिए किया जा सकता है। एआई की मदद से साइबर अपराधी फाइनेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बना सकते हैं। यह एडवायजरी %भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र% (आई4सी) द्वारा जारी की गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले आई4सी के मुताबिक, धोखाधड़ी करने वाले लोग धोखे से की गई वीडियो कॉल, नकली ऑनलाइन जॉब इंटरव्यू या सोशल इंजीनियरिंग के तरीकों से हासिल की गई फेशियल रिकॉर्डिंग का इस्तेमाल करके अकाउंट्स तक अनधिकृत पहुंच पाने की कोशिश कर सकते हैं मीडिया प्लेटफॉर्म, मैसेजिंग ऐप, जॉब पोर्टल, डेटिंग प्लेटफॉर्म या फ़ोन कॉल के ज़रिए लोगों से संपर्क करते हैं।

और राज्य अध्यक्षों की आपात बैठक, राजनीतिक रणनीति पर हुई चर्चा

कांग्रेस अध्यक्ष ने दिल्ली में पार्टी महासचिवोंऔर प्रदेश अध्यक्षों की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में मौजूदा राजनीतिक हालात, संगठनात्मक रणनीति और INDI गठबंधन की गतिविधियों पर चर्चा हुई।कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को पार्टी के सभी महासचिवों, प्रभारियों और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों की एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा की गई। बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल शामिल हुए। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई, मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी, तेलंगाना कांग्रेस के अध्यक्ष बोम्मा महेशकुमार गौड़, गोवा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश चोडंकर और पंजाब के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग भी बैठक में उपस्थित थे।केसी वेणुगोपाल ने क्या बताया?- बुधवार को केसी वेणुगोपाल ने एक्स पर बैठक की घोषणा करते हुए कहा, वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा करने के लिए एआईसीसी महासचिवों, प्रभारियों और पीसीसी अध्यक्षों की एक आपातकालीन बैठक कल, 11 जून, 2026 को इंदिरा भवन, नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी। यह सोमवार को मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई इंडिया ब्लॉक की बैठक के बाद हुआ है।इंडिया गठबंधन की अगली बैठक कब?- सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि राष्ट्रीय मुद्दों पर समन्वय बढ़ाने और भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार का मुकाबला करने के लिए विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों के बीच अधिक तालमेल स्थापित करने के लिए इंडिया ब्लॉक की पार्टियां हर दो महीने में बैठक करेंगी। खरगे ने बताया कि बैठक में 25 पार्टियों ने भाग लिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, %यह सहमति बनी कि भारत गठबंधन के सभी दल हर दो महीने में मिलेंगे। अगली बैठक अगस्त में हैदराबाद में होगी।% क्यों लिखेंगे मुख्य न्यायाधीश को पत्र?- खरगे ने कहा कि इंडिया ब्लॉक की पार्टियों ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), वोट की लूट और चुनावी कदाचार के मुद्दे पर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखने का फैसला किया है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा, %एसआईआर, वोट की लूट और चुनाव में धांधली के संबंध में भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजने पर सहमति बनी। यह पत्र जल्द ही भारत के मुख्य न्यायाधीश को सौंप दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री के तत्काल इस्तीफे की मांग पर सर्वसम्मति से सहमति बनी है क्योंकि उन्होंने नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में शामिल हुए लाखों युवाओं के साथ हुए विश्वासघात की अध्यक्षता की है।

तृणमूल कांग्रेस में संकटः वो अहंकारी है, उसके कारण पार्टी खत्म हो गई, अभिषेक पर बिफरे कल्याण बनर्जी?

टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कलकत्ता हाई कोर्ट में पार्टी के जनरल सेक्रेटरी और सांसद अभिषेक बनर्जी की ओर से एक केस लड़ने से इनकार कर दिया। बता दें कि, ये मामला हस्ताक्षर जालसाजी का है, जिसमें अभिषेक बनर्जी को आज कलकत्ता हाई कोर्ट से आंशिक राहत मिली है। लेकिन अब इस मामले की पैरवी कर रहे कल्याण बनर्जी ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं।पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद से तृणमूल कांग्रेस घास के तिनके की तरह बिखरती दिख रही है। इसकी शुरुआत पहले विधानसभा के स्तर पर शुरू हुई, जो राज्यसभा तक जा पहुंची। पिछले तीन दिन में पार्टी के तीन राज्यसभा सांसदों ने इस्तीफा दिया है। अब टीएमसी के बड़े नेता कल्याण बनर्जी के आरोपों ने पार्टी को अंदर तक झकझोर दिया है। दरअसल, कल्याण बनर्जी हस्ताक्षर जालसाजी के मामले में अभिषेक बनर्जी के वकील के तौर पर कोर्ट की सुनवाई में शामिल हो रहे हैं। लेकिन, इस सुनवाई के दौरान अभिषेक बनर्जी के न मौजूद रहने पर

उन्होंने पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी से साफ कहा है कि उनमें और अभिषेक बनर्जी में से एक को चुनें।केस मैंने ही फाइल किया था- कल्याण बनर्जी

इस मामले पर विस्तार से बात करते हुए उन्होंने कहा, %सीआईडी से जुड़ा यह मामला असल में पहले ही फाइल किया गया था। उन्होंने इसे पहले फाइल किया था। शुक्रवार को वेकेशन बेंच बैठी थी और मैंने पूरे दिन इंतजार किया, लेकिन मामले पर सुनवाई नहीं हुई। उसके बाद, मैंने कोर्ट के सामने इसका जिक्र किया और जज ने कहा कि मामले की सुनवाई बुधवार को होगी। जैसा कि आप जानते हैं, मंगलवार को कैमक स्ट्रीट स्थित उनके (अभिषेक बनर्जी) घर और दीदी के ऑफिस में तलाशी ली गई थी। मैं दिल्ली से आया था और वहां भी गया था। तलाशी के दौरान मैं मौजूद था। फिर कल सुबह, मैंने जस्टिस कौशिक चंदा के सामने मामले का जिक्र किया और कहा कि यह जरूरी है। मैंने उनसे कहा कि तलाशी गैर-कानूनी थी। तलाशी पहले ही हो चुकी थी और कभी भी कुछ भी हो सकता था, इसलिए मामले पर सुनवाई जरूरी थी। जज ने मुझसे कहा कि मामले की सुनवाई उसी दिन होगी। उसके बाद, दोपहर करीब 12.30 बजे एक वकील आया और मुझे बताया कि तलाशी के संबंध में एक अलग रिट याचिका दायर की गई है और एक सीनियर वकील इसे देखेंगे। मैंने पूछा, %अगर आपने यह मामला पहले ही दायर कर दिया था, तो आपने हमसे इस पर चर्चा क्यों नहीं की? यह पूरी तरह से गैर-कानूनी है% ।%उसके बाद, पूरे दिन किसी ने कुछ नहीं कहा। मैंने पूरी रात केस की तैयारी में बिताई। आज भी, आप देख सकते हैं कि मैं हर जगह जा रहा हूं, जोखिम उठा रहा हूं और अपना काम कर रहा हूं। फिर भी उनकी अनादर करने की आदत नहीं बदली है। उन्हें (अभिषेक बनर्जी) लगता है कि हर कोई उनसे नीचे है, जैसे कि हर कोई कैमक स्ट्रीट का सिर्फ एक कर्मचारी हो।

यह अमानवीय और भयावह कृत्यश, मणिपुर में छह नगाओं की हत्या पर बोले नगालैंड के मुख्यमंत्री रियो

नगालैंड के मुख्यमंत्री ने मणिपुर में छह नगाओं की कथित हत्या की कड़ी निंदा करते हुए इसे अमानवीय बताया। उन्होंने दोषियों की जल्द गिरफ्तारी और निष्पक्ष जांच की मांग की। रियो ने लोगों से शांति और संयम बनाए रखने की अपील की।नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो ने मणिपुर में छह नगाओं की हत्या की कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे भयानक और अमानवीय कृत्य बताया और दोषियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई की मांग की। उन्होंने नगालैंड, मणिपुर और नगा-

बहुल क्षेत्रों के लोगों से शांति और संयम बनाए रखने का आग्रह किया।एक्स के एक पोस्ट में रियो लिखा, %यह घटना विशेष रूप से दर्दनाक थी क्योंकि यह नगा संगठनों ने अपनी हिरासत में लिए गए 14 बंधकों की सुरक्षित रिहाई में सुविधा देने और उनकी कैद के दौरान उनकी भलाई, सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के बाद हुई थी। मणिपुर पुलिस ने बुधवार को कहा कि उन्हें कांगपोकपी जिले में सशस्त्र समूहों द्वारा बंधक बनाए गए लापता नगा पुरुषों के संदिग्ध शव मिले हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि बैपटिस्ट वर्ल्ड एलायंस के नेतृत्व में चर्च संगठनों की अपीलों और नगा नागरिक समाज समूहों के साथ परामर्श के बाद 14 बंधकों की रिहाई की गई। रियो ने कहा कि उन्होंने नगा लोगों के मानवीय और ईसाई मूल्यों के अनुरूप उनकी रिहाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हुई चर्चाओं में व्यक्तिगत रूप से भाग लिया था। रियो ने यूनाइटेड नगा काउंसिल (यूएनसी) और अन्य शीर्ष नगा संगठनों को अत्यंत अस्थिर स्थिति के बावजूद संयम बरतने और करुणा एवं शांति का मार्ग चुनने के लिए श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि सभी 14 बंधकों की सुरक्षित रिहाई कठिन परिस्थितियों में भी मानवीय गरिमा के प्रति नगा लोगों की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।हालांकि, उन्होंने कहा कि कुकी समुदाय के सदस्यों द्वारा कथित तौर पर बंधक बनाए गए

संपादकीय Editorial

Poor Government Teachers

The responsibilities of government school teachers may not be disclosed, but they are held accountable for the dignity of the state. The cycle of election duties had barely ended when the web of census data was added to their responsibilities, meaning that key figures in government schools would once again be forced out of the campus. If teachers are objecting to this, parents must also participate in their cross-examination. This practice of forced labor within the educational arena must end. This undermines the quality of education and leaves teachers guilty when investigating accountability.

Instead of placing the entire responsibility of the census campaign on a single department, other options could be explored in this process. By creating laboratories for unemployed or studying youth, they could be included.

There should be a task force to gather on-the-ground feedback before shaping such activities, surveys, and plans. School curriculums have their own calculations, where periods and subjects dictate the yearly effort and timeframe.

The education policy also aims to increase the utility of practical knowledge in the classroom of knowledge. This means that today's teachers' relationship and connection with their students is consistent with many parameters, so engaging them in activities like the census campaign is unreasonable.

If a teacher is absent from school for even a few days, its implications have profound implications for the students' future. Of course, a series of national campaigns have been integrated into the teaching process, but this cannot be considered in line with the educational goals.

The census is a significant and sacred campaign, but a teacher caught in its trap would be neglecting their basic responsibility.

Teaching science, information technology, commerce, and other subjects in school does not allow laboratories to remain closed for a few days, blackboards to remain silent, and the curriculum to be relaxed. Therefore, no dignity will be served by diverting this class from its responsibilities. Schools are already facing a shortage. Education has been viewed as a bed, and therefore, the teacher has become a mere draft.

The draft of exams, of exam results. If teachers are morally required to write the inscriptions for elections, vote counts, or other national campaigns, then their moral rights must also be defined.

For example, is cheating in exams a weakness of education, a neglect of society, or should the entire responsibility be borne solely by teachers? Should only government teachers be made scapegoats for preventing cheating in annual exams, or should such responsibility be assigned to all departments and society?

Will the teacher who carries the census box also be stripped of the responsibility for education and exams? Already a postman of unnecessary correspondence and correspondence, how long will the teacher run from pillar to post to save the honor of national campaigns? Despite this, his role is always assessed negatively.

Plastic Currency with Multiple Benefits

UPI and cash are not mutually exclusive. Both underpin India's economy. Plastic currency is 5-7 times more durable than paper currency. It is highly effective in controlling counterfeit notes and ensuring security. India should adopt plastic currency in a phased manner. The

revolution of UPI and digital payments has undoubtedly transformed India's financial landscape. Today, over 20 billion people across the country use UPI every month, while India also sees a shift from farmers, laborers, local markets, small shopkeepers, and rural communities to cash transactions. This is increasing the demand for cash, rather than decreasing it. According to the RBI, currency demand has reached ?42.86 trillion (lakh crores) with an annual growth rate of 11.5 percent. In 2024-25, ?6372.8 crore was spent on printing notes. In 2024-25, 23.8 billion defective notes were destroyed, a 12.3 percent increase from the previous year's 21.24 billion notes. Thousands of crores of rupees will continue to be spent each year on printing and destroying notes unless a viable alternative is adopted. Plastic notes offer a viable alternative. Plastic notes are made from a special synthetic plastic called polypropylene. They look similar to ordinary notes, but have a five to seven times longer lifespan. Plastic notes are highly resistant to water, dirt, and tear, maintaining their texture for a long time. They are durable in humid coastal areas and dusty environments. Another major advantage is security. Counterfeit currency remains a concern for central banks worldwide. Plastic notes have emerged as one of the most effective ways to enhance security, as their micro-optic features, holographic elements, and special ink make them unique. These features are not only difficult to counterfeit but also easier for the public to recognize. Microorganisms are less likely to survive on the smooth surface of plastic notes. Plastic currency is in circulation in approximately 60 countries, including Australia, the United Kingdom, Canada, New Zealand, Singapore, Malaysia, Vietnam, and Romania. India has been considering plastic currency since 2009. In 2012, trials of ten-rupee plastic notes were discussed in Kochi, Jaipur, Bhubaneswar, and Shimla, but the plan was shelved before it could even begin. However, circumstances have changed. Today, India is fully prepared for plastic notes, but the RBI must take systematic and decisive steps. First, domestic printing capacity must be developed. Indian printing presses in Nashik, Dewas, Mysore, and Salboni must be technically prepared to print on plastic paper. Regardless of which country technical assistance is obtained, self-reliance in printing is essential. As a second step, pilot testing should begin in a phased manner with ten and twenty rupee notes, as these are the most widely used and most perishable notes. They should be tested in cities with varying climates, including humidity, the heat of the plains, and the cold of the mountains. The third and practical step would be to prepare for modernizing ATM infrastructure and upgrading machines. A timeline should be developed in collaboration with banks and ATM manufacturers. Fourth, public awareness should be created. Information about how plastic notes look, how they are identified, and how to check for authenticity should be made available to the public in simple language, and if necessary, in regional languages. As a fifth step, an environmentally sound plan should be developed for the disposal of old plastic notes, allowing them to be recycled. Some argue that when UPI has become so widespread, why focus so much on plastic notes? This argument sounds good, but is disconnected from ground reality. A large number of India's more than 700,000 villages still lack uninterrupted internet access. For the elderly, daily wage laborers, street vendors, and millions of people in the unorganized sector, cash is the foundation of life. And when power goes out, servers go down, or mobile phones fail to charge, money still works. UPI and cash are not mutually exclusive. Both provide the foundation for India's economy. India stands at a juncture where it must make decisions based not only on current needs but also on the challenges of the coming decades. Plastic currency is not just a proposal to replace paper notes, but also a significant step towards better use of public funds, control of counterfeit currency, environmental responsibility, and modern financial management. While the initial investment will certainly be high, in the years to come, this investment will reap rewards in the form of savings worth thousands of crores of rupees, improved security, and a more efficient monetary system.

Economic Reforms Must Be Accelerated

The Prime Minister met with the Economic Advisory Council to discuss current economic challenges, including the West Asia crisis and oil supply disruptions. The Prime Minister's meeting with members of his Economic Advisory Council to discuss current economic challenges was a timely exercise. The ongoing global turmoil, and particularly the West Asia crisis, has posed challenges to India's economy, along with those of other countries. The biggest challenge is the disruption of oil and gas supplies from Gulf countries. Despite the ceasefire between the US and Iran, there is no sign of normalcy. Normalcy will not return as long as the Strait of Hormuz remains blocked. Despite all efforts, the US has been unable to pressure Iran to reopen the Strait for safe shipping. Since the US and Iran continue to target each other's bases even after the ceasefire, oil and gas prices are showing no signs of falling. It's true that numerous measures have been taken to address the challenges posed to the economy by the West Asian crisis, but they are still insufficient. No matter how much energy conservation and frugality suggestions are implemented, they can only be effective to a limited extent. It cannot be ignored that the weakening of the rupee against the dollar is increasing India's import bill, and the impending trade agreement with the United States appears unlikely. Fortunately, due to the purchasing power of the country's large middle class, a serious economic crisis does not appear to be emerging as some opposition leaders are suggesting. However, if the West Asian crisis continues, the problems could worsen. This will affect both the business community and the general public. In these circumstances, it is essential to move swiftly towards all desired economic reforms. It should be understood that ease of doing business truly needs to be improved, as our leading industrialists are not investing as much in the country as they should. At the same time, the government must also examine why foreign investors are not investing sufficient capital. Some steps have been taken recently to attract them, but it is essential to ensure that these measures yield positive results. India must pay special attention to reducing its dependence on imports of essential goods and increasing exports. This will undoubtedly be possible only if the government and industry work together to address these challenges.

Infighting within the Opposition Front

What good is simply listing problems? This alliance is, after all, focused on the politics of opposition for the sake of opposition. Its biggest problem is that it is unable to present an alternative agenda. Internal strife and discontent are evident before the INDIA meeting. The growing distance between the Congress and other allies is evident. The alliance's sole agenda is to oppose the BJP. The meeting of the opposition front, INDIA, is taking place at a time when tensions are evident between the Congress and its other constituents. It is difficult to say whether this meeting will bridge the growing distance between the Congress and its other allies, but it is clear that the alliance currently appears less united and strong than before. The DMK has announced its withdrawal from the alliance, and it is difficult to say whether the Aam Aadmi Party (AAP) leaders will attend the meeting. While leaders of the Left parties are attending the meeting, the CPI(M) has previously expressed its objection to the Congress's attitude toward then-Chief Minister P. Vijayan during the Kerala Assembly elections. According to the CPI(M), the Congress's attitude is weakening the unity of the opposition alliance. Among the parties unhappy with the Congress is the Jharkhand Mukti Morcha, and it's no secret that the rift between the Congress and Uddhav Thackeray's Shiv Sena in Maharashtra continues. Undoubtedly, Trinamool Congress leaders are excited to attend this meeting, but it cannot be ignored that until recently, Mamata Banerjee was reluctant to attach any importance to this alliance. The stated agenda of the opposition alliance meeting is to maintain unity and jointly confront the BJP, which clearly shows that the alliance has yet to determine its position and direction. It is also clear that it has neither a common minimum program nor a concrete joint strategy. The alliance's unified agenda is to oppose the BJP and remove the Modi government, but it is unable to establish a narrative. The INDIRA meeting will undoubtedly target the government on the issues currently facing the country. There's no harm in opposition parties highlighting the problems that are currently surfacing and causing concern to the common people, but the question is whether this alliance has any framework for addressing these problems. What good is simply listing problems? This alliance, by and large, is focused on the politics of opposition for the sake of opposition. Its biggest problem is that it is unable to present an alternative agenda. Similarly, another problem arises when assembly elections are held. It is disappointing that this alliance has not yet been able to develop the necessary coordination.

चमन का रिश्तेदारी में युवती से था अफेयर, फुफेरे भाई ने साथियों से संग मार डाला; चेहरे पर स्याही भी पोत दी

मुरादाबाद में फुफेरे भाई ने साथियों के साथ मिलकर युवक की हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को कुछ दूर जंगल में ले जाकर डाल दिया। साथ ही उसके चेहरे पर स्याही भी पोत दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू थाना इलाके के मिलक सोनकपुर गांव में गला घोंटकर हत्या कर दी गई। हत्याकांड को भाई के साथ मिलकर अंजाम दिया और लाश जिगनिया के जंगल में फेंक दी। चेहरा काली पर चोटों के निशान थे। पुलिस ने दोनों पूछताछ की तो बताया कि चमन के अपने उससे बात करता था। इसी बात से नाराज कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि सोनकपुर में बुधवार की सुबह साढ़े आठ बजे किसान का शव मिला। पुलिस-फोरेंसिक टीम ने जांच जिले के कैलादेवी थाना क्षेत्र के सिसौना चमन सिंह (25) के रूप में हुई है। युवक के और उसके मुंह और हाथों पर काला रंग भी आस-पड़ोस के गांवों के लोग भी पहुंच गए। में चमन की बुआ रहती है। युवक का यहां के घेरे में आए चमन के फुफेरे भाई और ले लिया। फूफा की भतीजी से थे चमन के

चमन के अपने फूफा की भतीजी से संबंध थे और वह बातचीत करता था। सोमवार की रात दोनों को बातचीत करते हुए पकड़ लिया गया था। उसकी पिटाई की गई और उसके मुंह पर कालिख पोती गई। इसके बाद रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद लाश गांव से बाहर जंगल में फेंक दी थी। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि युवक के मां बाप नहीं हैं। एक भाई है, वह बाहर नौकरी करता है। उसे बुलाया गया है। उससे तहरीर लेकर रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। हत्या को आत्महत्या दर्शाने की कोशिश- पुलिस की जांच में सामने आया है कि चमन की हत्या मिलक सोनकपुर गांव में रिश्तेदार के घर में की गई थी। आत्महत्या दिखाने के लिए आरोपी लाश को बाइक पर रखकर गांव से दूर ले गए और एक पेड़ से रस्सी को बांधकर उसका दूसरा हिस्सा चमन के गले में बांध दिया था।गला घोंटकर मारा, शरीर पर चोटों के निशान- बुधवार की शाम आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला कि चमन की हत्या रस्सी से गला घोंटकर की गई। इससे पहले उसकी पिटाई भी की गई थी। उसके शरीर पर चोटों के कई निशान मिले हैं। चेहरे पर भी काली स्याही लगी थी।

गंगा एक्सप्रेसवे हादसा: कश्मीर घूम लखनऊ लौट रहा था परिवार, झपकी से डिवाइडर में घुसी कार, इस वजह से गई तीन जान

जम्मू-कश्मीर घूमकर लौट रहे लखनऊ के परिवार की स्कॉर्पियो अमरोहा के सैदनगली क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेसवे पर डिवाइडर से टकरा गई। प्रारंभिक जांच और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चालक को नींद की झपकी आने से हादसा हुआ। अबूवकर (40), उनकी भाभी हिना की मौत हो गई, जबकि आठ लोग घूमकर घर लौट रहे लखनऊ के एक्सप्रेसवे पर डिवाइडर में जा हुए इस हादसे में लखनऊ निवासी (40), अबूवकर की भाभी हिना की मौत हो गई। चमड़ा कारोबारी के आठ लोग घायल हो गए।इनमें रही है। हादसे के वक्त अबूवकर हादसाग्रस्त गाड़ी के पीछे चल रही प्रत्यक्षदर्शी बताया कि हादसा बजे हुआ। उनका कहना है कि आगे अनियंत्रित होकर डिवाडर में घुसने की झपकी आने से हादसा हुआ पुलिस को दिए बयान में ड्राइविंग बताया है। घायलों में शामिल कि वह और उनका परिवार लखनऊ

दुर्घटना में चमड़ा कारोबारी (28) और भांजी जुनैरा (15) घायल हुए हैं।जम्मू-कश्मीर परिवार की स्कॉर्पियो गंगा चुकी। नींद की झपकी के कारण चमड़ा कारोबारी अबूवकर (28) और भांजी जुनैरा (15) की पत्नी, भाई समेत परिवार तीन की हालत गंभीर बताई जा खुद की गाड़ी चला रहे थे। कार में सवार तौकीर ने बतौर बुधवार सुबह करीब 10.30 चल रही स्कॉर्पियो के अचानक से साफ है कि चालक को नींद है।हादसे के एक घायल ने भी के दौरान झपकी को कारण अबुवकर के भाई उमर ने बताया के दुबग्गा इलाके में मोहल्ला नखास के शीरमाल वाली गली में रहते हैं। बच्चों के स्कूलों की छुट्टी में घूमने के इरादे से परिवार के अधिकांश सदस्य दो गाड़ियों से पहली जून को जम्मू-कश्मीर गए थे। मंगलवार रात लखनऊ वापसी का सफर शुरू किया था। बुधवार सुबह स्कॉर्पियो का हादसा हो गया। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि यह हादसा अमरोहा के थाना सैदनगली क्षेत्र में हुआ लेकिन नजदीकी के कारण संभल के कैलादेवी थाने की पुलिस तत्काल पहुंच गई। पीड़ितों को बिना देरी उपचार दिलाने के लिए संभल अस्पताल में लाया गया। घायलों में अबुवकर अबुवकर की पत्नी कुलसुम (38), अबुवकर के भाई मोहम्मद उमर (32), भांजी सिदरा (14), भांजी हनिया (02), मृतक हिना के बच्चे मोहम्मद (04) और अफ्फान (10) शामिल हैं। इसके अलावा अफीफा (07), हामना (10) भी घायल हुए हैं, जिनका हताहतों से रिश्ता स्पष्ट नहीं हो सका है। स्कॉर्पियो के अलावा एक अन्य कार में सवार परिवार के बाकी लोग आगे चल रहे थे। करीब 20 किमी आगे टोल प्लाजा पर पहुंचते ही उन्हें फोन से हादसे की जानकारी मिली और उन्होंने मौके की ओर वापसी की। ये लोग घायलों में शामिल गंभीर हालत वालों को बेहतर इलाज के लिए प्राइवेट अस्पतालों में ले गए। हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हुई है, जिनमें स्कॉर्पियो चलाने वाले भी शामिल हैं। चालक की झपकी के चलते हादसा बताया गया है। पुलिस घायलों के उपचार में सहयोग के साथ अन्य बिंदुओं पर भी जांच कर रही है। -कृष्ण कुमार बिश्नोई, एसपी, संभल

पंचायत चुनाव: मुरादाबाद जिले 15 लाख वोटर चुनेंगे गांव की सरकार, डिलारी क्षेत्र में सबसे अधिक 10064 वोट बढ़े

मुरादाबाद जिले की 643 ग्राम पंचायतों के लिए मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। वर्ष 2021 के मुकाबले इस बार 27,160 मतदाता बढ़े हैं। अब ग्राम पंचायतों में कुल 15,01,036 मतदाता हैं, जबकि 2021 में इनकी संख्या 14,73,876 थी। मुरादाबाद जिले में ग्राम पंचायतों के मतदाताओं की सूची का बुधवार को प्रकाशन कर दिया गया। 2021 की तुलना में 27160 वोटर बढ़ गए हैं। इस बार जिले की 643 ग्राम पंचायतों की सरकार 1501036 मतदाता चुनेंगे। जबकि 2021 में वोटरों की संख्या 1473876 थी। डिलारी ब्लॉक में सबसे अधिक 10064 मतदाता बढ़े हैं।वहीं बिलारी ब्लॉक में 1869 वोट घट गए हैं। जिले की ग्राम पंचायतों से जुड़े 14.73 लाख मतदाताओं की सूची की एआई से जांच कराई गई थी। इसके बाद चुनाव आयोग ने दो चरणों में डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची को सत्यापन के लिए जिला प्रशासन भेजी थी। पहले चरण में प्रशासन को 2.35 लाख डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची मिली थी।जांच में पहले चरण में करीब 71 हजार डुप्लीकेट मतदाता पाए गए। सभी लोगों के नाम सूची से हटाए गए थे। दूसरी बार आयोग ने 4.66 लाख से अधिक डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची भेजी थी। इस सूची का बीएलओ ने सत्यापन किया तो 53 हजार से अधिक मतदाता डुप्लीकेट पाए गए। दोनों चरणों में 1.24 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए।सत्यापन के दौरान मतदाताओं के नाम जोड़े भी गए। इसके बाद मतदाताओं की संख्या करीब 15.10 लाख हो गई थी। 22 अप्रैल को ग्राम पंचायतों की फाइनल सूची जारी की जानी थी। लेकिन इससे दो दिन पहले चुनाव आयोग ने 4.29 लाख मतदाताओं की एक और सूची जिला प्रशासन को सत्यापन के लिए भेज दी थी। अब ग्राम पंचायतों में मतदाताओं की कुल संख्या 1501036 हो गई है, जो 2021 की तुलना में 27160 वोटर अधिक है। डिलारी ब्लॉक में वोटरों की संख्या में वृद्धि हुई है। यहां 10064 वोटर बढ़ गए हैं। जबकि बिलारी ब्लॉक की ग्राम पंचायताओं में वोटरों की संख्या घट गई है। यहां 1869 मतदाता कम हो गए हैं। डीएम ने बताया कि ग्राम पंचायतों के मतदाताओं की सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। कुंदरकी ब्लॉक में सबसे अधिक तो मुरादाबाद में सबसे कम वोटर ग्राम पंचायतों की सूची के मुताबिक जिले की कुंदरकी ब्लॉक में मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक है। जबकि मुरादाबाद ब्लॉक में सबसे कम वोटर हैं। कुंदरकी ब्लॉक की 99 ग्राम पंचायतों में कुल 243850 वोटर हैं। वहीं मुरादाबाद ब्लॉक की 56 ग्राम पंचायतों में 135072 मतदाता हैं।

डिलारी क्षेत्र में आग से मचा हड़कंप, पुलिस और फायर ब्रिगेड ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

क्यूँ न लिखूँ सच/ डिलारी = (मुरादाबाद) थाना डिलारी क्षेत्र के ग्राम गुतावली में गुरुवार सुबह करीब 11 बजे उस समय हड़कंप मच गया, जब 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन से निकली चिंगारी के कारण एक दोमंजिला मकान में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि मकान की दूसरी मंजिल पर रखे उपले (कंडे) धू-धू कर जलने लगे और देखते ही देखते लपटों ने वहां रखे अन्य सामान को भी अपनी चपेट में ले लिया।जानकारी के अनुसार गांव निवासी अली हसन पुत्र अली हुसैन के मकान की छत के ऊपर से 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन गुजर रही है। परिजनों का आरोप है कि लाइन के नंगे तारों से निकली चिंगारी मकान की दूसरी मंजिल पर रखे

उपलों पर गिर गई, जिससे आग भड़क उठी।परिवार के लोगों ने बताया कि आग लगने से घर में रखा घरेलू सामान, कुछ सोने के आभूषण तथा लगभग 40 हजार रुपये की नकदी जलकर राख हो गई। आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर थाना डिलारी पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। फायर कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और आसपास के मकानों तक आग फैलने से रोक लिया। घटना के बाद परिवार में भारी नुकसान को लेकर मायूसी का माहौल है। वहीं ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से गांव में गुजर रही हाईटेंशन लाइन के नंगे तारों को जल्द बदलने तथा सुरक्षा के उचित इंतजाम करने की मांग की है. उधर पुलिस ने घटना की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम डैश बोर्ड रैंकिंग जारी: विकास में पिछड़ गया मुरादाबाद, अब 56वां पायदान, कानून-व्यवस्था में भी फिसड्डी

मई माह की सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में मुरादाबाद मंडल का कोई भी जिला टॉप-10 में जगह नहीं बना सका। संभल 65वें, अमरोहा 62वें, मुरादाबाद 56वें, बिजनौर 34वें और रामपुर 16वें स्थान पर रहा। विकास कार्यों की लगातार समीक्षा और सुधार के निर्देशों के बावजूद मंडल के जिले अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सके। मुरादाबाद जिले से लेकर मंडल स्तरीय बैठकों में सीएम डैश बोर्ड की रैंकिंग में सुधार के लिए बिंदुवार विकास कार्यों की समीक्षा की गई। कमियों को दूर करने के निर्देश दिए गए लेकिन सारी कवायदें ध्वस्त हो गईं। विकास में मंडल के जिले एक बार फिर पिछड़ गए हैं।जिलों के विकास कार्यों की हुई समीक्षा- बुधवार को जारी सीएम डैश बोर्ड की रैंकिंग में मंडल का कोई जिला टॉपटेन में शामिल नहीं रहा। संभल 65वें, अमरोहा 62वें, मुरादाबाद 56वें, बिजनौर 34वें और रामपुर 16वें स्थान पर रहा। हर महीने शासन स्तर पर जिलों के विकास कार्यों की समीक्षा की जाती है।संभल की स्थिति खराब- विकास कार्यों और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर 10 अंक दिए जाते हैं। बुधवार को मई माह की रैंकिंग में मंडल के जिले विकास कराने में इस बार भी पिछड़ गए। मंडल में सबसे खराब स्थिति संभल की पाई गई है। प्रदेश के 75 जिलों में संभल 65वें स्थान पर है।मुरादाबाद प्रदेश में 56वें स्थान पर- संभल सिर्फ 10 जिलों से ऊपर है। जबकि अमरोहा 62वें स्थान पर है। मंडल मुख्यालय मुरादाबाद की भी स्थिति बहुत बेहतर नहीं मिली। मुरादाबाद प्रदेश में 56वें स्थान पर है। बिजनौर 34वें और रामपुर 16 वें स्थान पर पहुंच गया है। छह महीने में पांच बार मुरादाबाद संभल की रैंकिंग 50 के पार- दिसंबर 2025 से जून 2026 तक छह बार सीएम डैशबोर्ड पर प्रदेश के जिलों की रैंकिंग जारी की गई। इन छह महीनों में पांच बार मुरादाबाद और संभल जिले की रैंकिंग 50 के पार रही। सिर्फ एक बार ही 50 से कम रही है। अप्रैल में मुरादाबाद 12वें और मार्च में संभल 46 वें स्थान पर था। हालांकि छह महीनों में रामपुर दो बार टॉपटेन में जगह बनाने में सफल रहा। अप्रैल में मुरादाबाद की रैंकिंग थी 12, मई में 56 वें स्थान पर- अप्रैल माह की तुलना में मई में मंडल के सभी जिलों की रैंकिंग में गिरावट आई है। अप्रैल में मुरादाबाद 12वें स्थान पर था। मई में 56वें स्थान पर पहुंच गया। संभल 57 से 65वें, बिजनौर 15 से 34वें, रामपुर 9 से 16 वें नंबर पर आ गया। अमरोहा भी एक अंक पिछड़कर 61 से 62 वें स्थान पर पहुंच गया है।कानून-व्यवस्था में मुरादाबाद फिसड्डी- शासन ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर मई 2026 के लिए जिलों की प्रदर्शन रैंकिंग (कानून-व्यवस्था के मद्देनजर) जारी कर दी है। रैंकिंग में रामपुर जिले ने 8.88 अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। राजधानी लखनऊ 7.38 अंक के साथ 26वें स्थान पर रहा है जबकि सबसे खराब प्रदर्शन मुरादाबाद जिले का है। इसलिए उसको 75वीं रैंक मिली है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा संचालित इस डैशबोर्ड पर 75 जिलों की रैंकिंग जारी की गई है। इसमें विभिन्न विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन, कानून-व्यवस्था और अन्य मापदंडों के आधार पर स्कोर दिए गए हैं। निचले दस जिलों में मुरादाबाद और गाजियाबाद 5.94 अंक के साथ सबसे नीचे रहे। अलीगढ़ 6.00 अंक के साथ 73वें, खीरी 6.06 के साथ 72वें, गोंडा 6.16 के साथ 71वें स्थान पर रहा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बरेली में आंधी से पेट्रोल पंप की छत उड़ी, सैकड़ों खंभे और पेड़ गिरे

बरेली में बुधवार रात आई तेज आंधी और बारिश ने शहर से लेकर देहात तक तबाही मचाई। शहर में सैकड़ों खंभे गिरने से बिजली व्यवस्था ठप हो गई। आंधी से पेड़ टूटकर सड़कों पर गिर गए, जिससे यातायात बाधित रहाबरेली में बुधवार रात करीब 10 बजे 90 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चली तेज आंधी और बारिश ने शहर से लेकर देहात तक भारी तबाही मचाई। इस प्राकृतिक आपदा से शहर की बिजली व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई। आंधी के कारण दो सौ से अधिक पेड़ गिर गए। 125 बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हो गए। कई इलाकों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। आंधी का सबसे ज्यादा असर शहर की बुनियादी सुविधाओं पर पड़ा। शाहजहांपुर सड़क पर स्थित भारत पेट्रोल पंप की छत उड़ गई। बरातघर का गेट टूटा -पीलीभीत बाइपास पर पासपोर्ट कार्यालय के सामने लगा विज्ञापन बोर्ड भी झुक गया। पीलीभीत बाइपास पर एक बरातघर का गेट टूट गया और श्यामगंज में एक छत गिर गई। मलूकपुर इलाके में छत पर लगा सौर ऊर्जा पैनल भी उड़ गया। ट्यूलिप टावर के बाहर बिजली का पोल गिरा। सेटेलाइट, लाल फाटक और अवैद्यनाथ द्वार पर भी कई पेड़ गिरे। सड़क पर पेड़ गिरने से सुरेश शर्मा नगर और रोहिलखंड चिकित्सा महाविद्यालय सड़क पर आवागमन बाधित रहा। इस दौरान एक ऑटो चालक घायल हो गया। शहर में एडीजी कार्यालय के बाहर सड़क पर पेड़ गिर गया। सीबीगंज थाने में भी पेड़ गिरने से एक सिपाही की बुलेट मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई। पीलीभीत बाइपास, बदायूं सड़क और नैनीताल राजमार्ग सहित कई स्थानों पर यूनिपोल भी गिर गए।मौसम विभाग का यलो अलर्ट - मौसम विभाग ने रुहेलखंड क्षेत्र के लिए शनिवार तक तेज हवा के साथ बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इससे क्षेत्र के तापमान में कमी आने की संभावना है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञ अतुल कुमार ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से 13 जून तक तेज हवाएं चलेंगी। अनुकूल माहौल बनने पर आगे भी बारिश की संभावना है। इससे पारे में पांच से सात डिग्री की प्रभावी कमी आ सकती है, जिससे गर्मी से राहत मिलेगी। बुधवार को अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 40.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान एक डिग्री अधिक 27.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

3 लाख के चोरी गए सोने-चांदी के जेवर बरामद, 2 आरोपी और एक नाबालिग पकड़ा गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ खनियाधाना। शिवपुरी जिले की खनियाधाना पुलिस ने चोरी के एक सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए करीब 3 लाख रुपये मूल्य के चोरी गए सोने-चांदी के जेवरात बरामद कर लिए हैं। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार ग्राम मुहारीकला निवासी अरविंद्र लोधी के घर में 23-24 मई की रात अज्ञात चोरों ने कमरे और अलमारी का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए थे। पीड़ित की शिकायत पर खनियाधाना थाने में अपराध दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने संदेही यशपाल लोधी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने अपने साथी सोनसिंह उर्फ सुल्ली लोधी एवं एक नाबालिग के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने तीनों के कब्जे से चोरी गया संपूर्ण मशरूका बरामद कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया, जबकि बाल अपचारी को किशोर न्यायालय शिवपुरी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले तथा एसडीओपी प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। मामले के खुलासे में थाना प्रभारी केदार सिंह यादव सहित पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

पोहरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई: कंटेनर में ठूंस-ठूंसकर भरे गौवंश मुक्त, तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी/पोहरी। गौवंश तस्करी के खिलाफ पोहरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कंटेनर ट्रक से क्रूरता पूर्वक भरे गए गौवंश को मुक्त कराया। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गुरुवार रात पोहरी थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि गुढ़ा गांव के पास एक कंटेनर ट्रक में गौवंश को अमानवीय तरीके से भरकर ले जाने की तैयारी की जा रही है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी रवि चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और RJ26G9080 नंबर के कंटेनर ट्रक को कब्जे में ले लिया। पुलिस को देखते ही तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। जब कंटेनर को खोला गया तो उसके अंदर बड़ी संख्या में गाय के बछड़े ठूंस-ठूंसकर भरे हुए मिले, जिनके साथ क्रूरता की गई थी। कंटेनर खुलते ही कुछ गौवंश जंगल की ओर भाग गए, जबकि शेष गौवंश को सुरक्षित निकालकर चिकित्सकीय परीक्षण के बाद गौशाला भेज दिया गया। पुलिस ने कंटेनर ट्रक को जब्त कर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम एवं पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं एसडीओपी आनंद राय के मार्गदर्शन में हुई इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रवि चौहान सहित पूरी टीम की सराहनीय भूमिका रही।

ज्ञान-विज्ञान और तकनीक के संगम से सजा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ब्रेन बियोन्ड बाउंड्रीज- इंटीग्रेटिंग साइंस, एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी का भव्य समापन हुआ। यह आयोजन महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति (रजि.) के तत्वावधान में महाविद्यालय के आईक्यूएसी प्रकोष्ठ एवं महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा Bank of Baroda के सहयोग से किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि संजीव अग्रवाल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती एवं महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल ने सम्मेलन की उपलब्धियों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन ज्ञान-विनिमय, शोध और नवाचार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रवेश पुस्तिका एवं डॉ. नीतू शर्मा व डॉ. पूजा अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन भी किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 21 छात्र-छात्राओं को पदक देकर सम्मानित किया गया। साथ ही शोध पत्र प्रस्तुत करने वाले शिक्षकों, शोधार्थियों एवं छात्रों को भी पुरस्कृत किया गया। आईक्यूएसी टीम के प्रयासों की भी सराहना की गई। समापन अवसर पर अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए सम्मेलन को ज्ञानवर्धक और सफल बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीतू शर्मा ने किया। इस दौरान महाविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में ट्रक में घुसी रोडवेज बस, चालक की मौत पर सैटेलाइट बस अड्डे पर हंगामा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। शाहजहांपुर के तिलहर में हुए सड़क हादसे में रुहेलखंड डिपो के रोडवेज बस चालक प्रमोद की मौत हो गई। हादसे के बाद गुस्साए रोडवेज चालक-परिचालकों ने गुरुवार को सैटेलाइट बस अड्डे पर चक्का जाम कर दिया। बताया जा रहा है कि बुधवार रात लखनऊ से करीब 25 यात्रियों को लेकर बरेली आ रही बस तिलहर के पास आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। ट्रक चालक के अचानक ब्रेक लगाने से यह हादसा हुआ। दुर्घटना में चालक प्रमोद, परिचालक समेत कई यात्री घायल हो गए। इलाज के दौरान प्रमोद की मौत हो गई। साथी कर्मचारियों का आरोप है कि समय पर बेहतर उपचार न मिलने से चालक की जान गई। उन्होंने घटना की जांच और घायल कर्मचारियों के बेहतर इलाज की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

सावधान! चाय की चुस्की कहीं बन न जाए सेहत के लिए खतरा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। डिस्पोजेबल पेपर या प्लास्टिक कप में गर्म चाय-कॉफी पीना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। गर्म पेय पदार्थों के संपर्क में आने पर इन कपों की परत से माइक्रोप्लास्टिक और अन्य रसायन शरीर में पहुंच सकते हैं। आईआईटी खड़गपुर की एक रिसर्च में डिस्पोजेबल कप से माइक्रोप्लास्टिक कणों के निकलने की बात सामने आई है। विशेषज्ञों के अनुसार लंबे समय तक इसका सेवन स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है। बेहतर है कि गर्म पेय के लिए कांच, स्टील के कप या पारंपरिक मिट्टी के कुल्हड़ का इस्तेमाल करें और प्लास्टिक के बर्तनों से दूरी बनाएं। सेहत आपकी है, फैसला भी आपका - सावधानी ही बचाव है।

जीरो डोज बच्चों की खोज तेज, शत-प्रतिशत टीकाकरण पर एएनएम को मिला प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। नियमित टीकाकरण अभियान को गति देने के लिए स्वास्थ्य विभाग और जेएसआई संस्था के सहयोग से 300 बेड अस्पताल में शहरी क्षेत्र की एएनएम के लिए एक दिवसीय आरआई कैस्केड प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें बच्चों के शत-प्रतिशत टीकाकरण और जीरो डोज बच्चों की पहचान पर विशेष जोर दिया गया। राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अजय गुप्ता ने एएनएम को डिजिटल पोर्टल पर समय से डेटा अपडेट करने के निर्देश दिए। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. प्रशांत रंजन ने बताया कि क्षेत्र में लगने वाले प्रत्येक टीके की एंट्री यू-विन पोर्टल पर तत्काल की जाए। प्रशिक्षण में बताया गया कि एक वर्ष तक के वे बच्चे जिन्हें पेंटावैलेंट वैक्सीन की पहली डोज भी नहीं लगी है, उन्हें जीरो डोज श्रेणी में रखा जाता है।

एएनएम को ऐसे बच्चों की पहचान कर टीकाकरण से जोड़ने के निर्देश दिए गए। इस दौरान UWIN, eVIN, HMIS, VSims और Safevac पोर्टल पर डेटा रिपोर्टिंग की प्रक्रिया भी समझाई गई। कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, जेएसआई टीम और शहरी क्षेत्र की सभी एएनएम मौजूद रहीं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बरेली में आंधी-बारिश का कहर: 14 घंटों से बिजली संकट झेल रहे बरेली वासी , कई क्षेत्रो में पानी की किल्लत

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बुधवार रात आयी आंधी-बारिश ने एक बार फिर से यूपी के बरेली में शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों की विद्युत व्यवस्था चौपट कर दी। करीब 85 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चली आंधी में 33 केवी, 11 केवी लाइनों पर कई जगहों पर पेड़ के साथ ही उनकी टहनियां गिर गई। कई जगहों पर बिजली के पोल टूटकर गिर गए तो कहीं पर ट्रांसफार्मर पोल समेत टूटकर गिर गए। 14 घंटे से कई इलाकों की बिजली गुल है। बुधवार रात आई आंधी-बारिश से शहर से गांव तक भारी नुकसान हुआ। पुलिस, प्रशासन, बिजली विभाग और अग्निशमन टीमें राहत कार्य में जुटी हुई हैं। 24 घंटे में भी व्यवस्था सामान्य होने की उम्मीद नहीं है। उधर, बिजली विभाग और प्रशासन ने धैर्य बनाए रखने की अपील की है।

योग से बनेगा स्वस्थ और सशक्त समाज, 15 जून से शुरू होगा योग सप्ताह

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अंतर्गत जनपद में योग सप्ताह का आयोजन 15 जून से 21 जून तक किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 15 जून को प्रात: 6 बजे स्पोर्ट स्टेडियम बरेली में किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति और संतुलन के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। सभी नागरिक योग सप्ताह के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करें और स्वस्थ जीवन शैली अपनाएं। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से शरीर को ऊर्जा, मन को शांति और जीवन को सकारात्मक दिशा मिलती है। जनपद के सभी लोग इस अभियान से जुड़कर योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

भ्रष्टाचार पर प्रहार 35 हजार रुपये की रिश्वत लेते आरक्षी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मंडल के शाहजहांपुर में भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत एक्शन जारी है। गुरुवार को शाहजहांपुर में एक सिपाही रिश्वत लेते पकड़ा गया है। एंटी करप्शन की टीम ने आरोपी सिपाही विवेक कुमार को 35 हजार रुपये की घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। विवेक कुमार, शाहजहांपुर के जैतीपुर थाने में सिपाही के पद पर तैनात हैं। मूलरूप से बुलंदशहर के शिकारपुर थाना क्षेत्र के शिवनगर धूसरी गांव के रहने वाले हैं। गुरुवार को एंटी करप्शन की टीम ने जैतीपुर थाने के होमगार्ड रूम में दबिश दी, जहां विवेक कुमार रिश्वत लेते पकड़े गए। जांच के नाम पर घूस बरेली निवासी सुधांशु कुमार शर्मा पर एक केस दर्ज है। इसकी विवेचना चल रही है। सिपाही विवेक कुमार ने विवेचक के नाम पर सुधांशु कुमार शर्मा से 35 हजार रुपये की घूस मांगी। सुधांशु शर्मा ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन में कर दी। एंटी करप्शन ने शिकायत का सत्यापन कराया। इसके बाद आरोपी सिपाही को पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया। एंटी करप्शन टीम के प्रभारी प्रवीण सान्यालय ने शिकायतकर्ता सुधांशु कुमार शर्मा को रिश्वत के रुपये लेकर थाने भेजा और इसके बाद वहां दबिश देकर आरोपी सिपाही को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

विश्व योगासन चैंपियनशिप में बरेली के प्रवीण पाठक ने भारत के लिए जीता स्वर्ण पदक

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। गुजरात के ट्रांसस्टेडिया स्टेडियम में आयोजित पहली विश्व योगासन चैंपियनशिप (World Yogasana Championship) में मेजबान भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। बरेली के महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय (MJPRU) के रिसर्च स्कॉलर (शोधार्थी) प्रवीण कुमार पाठक ने कलात्मक योगासन के सीनियर पुरुष वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। विश्व योगासन चैंपियनशिप में दुनिया के 75 देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। विश्व योगासन चैंपियनशिप अहमदाबाद में 4 से 8 जून के बीच हुई। भारत ने बेहतरीन मेजबानी की। चैंपियनशिप में अमेरिका, कनाडा, जापान, दक्षिण कोरिया, अर्जेंटीना, दक्षिण अफ्रीका, केन्या, नाइजीरिया, नेपाल, श्रीलंका, भूटान, बांग्लादेश, थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया समेत 75 से ज्यादा देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

मिशन शक्ति-5 के अंतर्गत श्रावस्ती पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता को लेकर चलाया गया जनजागरूकता अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती।पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के कुशल निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह एवं समस्त क्षेत्राधिकारीगण के प्रभावी पर्यवेक्षण में जनपद श्रावस्ती में मिशन शक्ति फेज-5 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने हेतु व्यापक जनजागरूकता अभियान सतत रूप से संचालित किया जा रहा है।इसी क्रम में शक्ति मोबाइल टीम व समस्त थानो की मिशन शक्ति टीम द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों तथा सार्वजनिक स्थलों पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। चौपाल, संवाद एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा उपायों, कानूनी अधिकारों एवं सहायता सेवाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा उन्हें शक्ति दीदी के रूप में निडर होकर अपनी बात रखने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में सोशल मीडिया फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल एवं संदिग्ध लिंक से सतर्क रहने हेतु जागरूक किया गया। साथ ही ओटीपी साझा न करने, मजबूत पासवर्ड का उपयोग करने* तथा किसी भी साइबर आपात स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तत्काल सूचना देने के संबंध में जानकारी दी गई।महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों एवं online सेवाओं की जानकारी देते हुए UPCOP ऐप एवं CCTNS प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उनका अधिकाधिक लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। जनपद के समस्त थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र एवं साइबर हेल्प डेस्क के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए जागरूकता सामग्री वितरित की गई, जिससे महिलाओं को आवश्यकता पड़ने पर त्वरित एवं प्रभावी सहायता प्राप्त हो सके।

7-ए-साइड क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन: सीनियर वर्ग में श्री हरि होटल और जूनियर वर्ग में शीतला टाइगर्स बने चैंपियन

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। खेल एवं युवक कल्याण विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत तात्या टोपे स्टेडियम, पोलो ग्राउंड पर आयोजित 7-ए-साइड क्रिकेट प्रतियोगिता का रोमांचक समापन हुआ। प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग का खिताब श्री हरि होटल तथा जूनियर वर्ग का खिताब शीतला टाइगर्स ने अपने नाम किया। शिवपुरी क्रिकेट अकादमी के सचिव एवं कोच कमल सिंह बाथम ने बताया कि जूनियर वर्ग के फाइनल मुकाबले में शीतला टाइगर्स और पटेल एंड सन्स गर्ल्स टीम आमने-सामने थीं। पहले बल्लेबाजी करते हुए शीतला टाइगर्स ने महेंद्र कुशवाह के शानदार 53 रन और अभिजीत के 17 रन की बदौलत निर्धारित 6 ओवर में 87 रन बनाए। जवाब में पटेल एंड सन्स की टीम काव्या राठौर के 36 रन और पायल तोमर के 14 रन के बावजूद 82 रन ही बना सकी। इस तरह शीतला टाइगर्स ने 5 रन से रोमांचक जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। शानदार अर्धशतकीय पारी के लिए महेंद्र कुशवाह को मैन ऑफ द मैच चुना गया। वहीं सीनियर वर्ग के फाइनल में श्री हरि होटल और अर्पित एकादश के बीच मुकाबला खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्री हरि होटल ने अभिषेक धाकड़ के तूफानी 65 रन और पीयूष के महत्वपूर्ण योगदान की बदौलत 6 ओवर में 106 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अर्पित एकादश की टीम 55 रन पर सिमट गई। श्री हरि होटल ने 55 रन की शानदार जीत के साथ सीनियर वर्ग की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। गेंदबाजी में देव ने 3 विकेट, जबकि वंश, आरव और अभिषेक ने एक-एक विकेट हासिल किया। मैच में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए अभिषेक धाकड़ को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में जिला खेल अधिकारी डॉ. के.के. खरे, पटेल एंड सन्स के संचालक भूपेंद्र सिंह रावत, वरिष्ठ क्रिकेटर गिरीश मिश्रा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष हेमंत ओझा, वासुदेव राठौर, जीतू ठाकुर, सोनू कुशवाह, रवि दीक्षित, संतोष रघुवंशी, अमित भडले, पुरुषोत्तम व्यास, ललित सेन, गोविंद गुप्ता एवं राजू तोमर सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और पुरस्कार वितरित कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

कोलारस में अवैध उर्वरक परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, 366 बैग उर्वरक सहित ट्रक जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले में उर्वरकों के अवैध भंडारण और परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए कोलारस में बड़ी कार्रवाई की है। कृषि एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने छापामार कार्रवाई कर 366 बैग उर्वरक से भरा ट्रक जब्त किया है। मामले में संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अर्पित वर्मा के निर्देश पर गठित संयुक्त जांच दल ने कोलारस स्थित मां कैला देवी वेयरहाउस परिसर का निरीक्षण किया। जांच के दौरान ट्रक क्रमांक आरजे-17-जीबी-8058 में रघुवीरा सरदार ऑर्गेनिक सब्स्टीट्यूट ऑफ डीएपी (फॉस्फेट रिच ऑर्गेनिक मैन्योर) के 366 बैग पाए गए। कार्रवाई के दौरान टीम को देखकर ट्रक चालक मौके से फरार हो गया, जबकि हेल्पर कृपाल गिरी मौके पर मौजूद मिला। पूछताछ में वह उर्वरक परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद अधिकारियों ने नियमानुसार पंचनामा तैयार कर उर्वरक के नमूने जांच के लिए लिए तथा ट्रक सहित पूरी खेप को जब्त कर लिया। जब्त उर्वरक को सुरक्षित भंडारण हेतु म.प्र. राज्य सहकारी विपणन संघ के कोलारस मंडी स्थित गोदाम में रखवाया गया है, जबकि ट्रक को थाना कोलारस की अभिरक्षा में रखा गया है। प्रारंभिक जांच में उर्वरक के अवैध परिवहन एवं विक्रय की आशंका पाए जाने पर चालक सुनील गुर्जर एवं हेल्पर कृपाल गिरी के विरुद्ध उर्वरक (गुण नियंत्रण) आदेश 1985 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

गुर्जर समाज ने कलेक्टर को सौंपा 10 सूत्रीय ज्ञापन, वन विभाग की कार्रवाई, विस्थापन और धार्मिक स्थलों के संरक्षण की उठाई मांग

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। गुर्जर समाज जिला शिवपुरी ने विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर जिला कलेक्टर को 10 सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की है। ज्ञापन में वन विभाग की कार्यप्रणाली, माधव टाइगर रिजर्व से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, धार्मिक स्थलों के संरक्षण तथा पशुधन सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रमुखता से उठाया गया। ज्ञापन में समाज ने झिरना सरकार स्थल के संरक्षण, वन विभाग द्वारा किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाने के मामलों पर रोक लगाने तथा वर्षों से खेती कर रहे किसानों को पट्टे प्रदान करने की मांग की। इसके अलावा माधव टाइगर रिजर्व से प्रभावित पांच गांवों के परिवारों को पुनः सर्वे में शामिल कर वर्तमान नीति के अनुसार विस्थापन एवं मुआवजा दिए जाने की मांग भी रखी गई। समाज ने शहर के किसी प्रमुख चौराहे पर धनसिंह कोतवाल, पन्नाधाय एवं भगवान देवनारायण की प्रतिमा स्थापित करने तथा प्रमुख मार्गों का नामकरण महापुरुषों के नाम पर करने की मांग की। साथ ही हसनी माता एवं बलारी माता मंदिर के संरक्षण और मंदिर क्षति के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की गई। ,ज्ञापन में ईको सेंसिटिव जोन में आने वाले गांवों के विस्थापन, नरवर नगर वन क्षेत्र में पार्क जाने वाले रास्ते को बंद नहीं किए जाने, गुर्जर समाज के इतिहास के साथ कथित छेड़छाड़ रोकने तथा वन्य जीवों द्वारा पशुओं के शिकार के मामलों की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग भी शामिल रही। समाज ने आरोप लगाया कि सुरवाया क्षेत्र में बड़ी संख्या में पशुओं के गायब होने के मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा जंगली जानवरों द्वारा मारे गए पशुओं के लिए मिलने वाले मुआवजे की राशि बढ़ाई जाए। गुर्जर समाज ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो समाज आगामी समय में व्यापक आंदोलन की रणनीति बना सकता है।

थाना बिसौली पुलिस को चोरी की घटना में मिली बड़ी सफलता

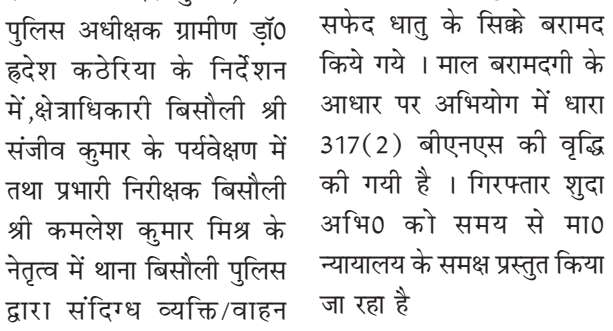

क्यूँ न लिखूँ सच/ जनपद बदायूं मे थाना बिसौली क्षेत्रान्तर्गत खाटू श्याम कॉलोनी में हुई चोरी की घटना के संबंध में थाना बिसौली पुलिस में अभियुक्त रवि कुमार सिंह उर्फ सिट्टू पुत्र स्व0 गजेन्द्र सिंह निवासी ग्राम दवतोरी थाना बिसौली जनपद बदायूँ उम्र करीब 30 वर्ष को थाना बिसौली क्षेत्र के ग्राम खजुरिया के निकट से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के कब्जे से चोरी के 190400/-रु0,एक जोड़ी कड़े सफेद धातु,एक जोड़ी पायल सफेद धातु तथा तीन सफेद धातु के सिक्के बरामद किये गये थाना बिसौली क्षेत्रान्तर्गत खाटू श्याम कॉलोनी निवासी विपिन शर्मा पुत्र राजेन्द्र शर्मा द्वारा बताया गया कि में 12 बजे अपने घर पर ताला लगाकर अपनी पत्नी के साथ वजीरगंज गये हुए थे । तभी समय करीब दोपहर 03 बजे अपने घर वापस लौटकर आये तो देखा
कि गेट का ताला टूटा हुआ था व कमरे में रखी अलमारी का लॉकर भी टूटा हुआ था,जिसमें से नगदी व जेवर किसी अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिये गये हैं । उक्त सूचना पर थाना बिसौली पुलिस द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया तथा वादी विपिन शर्मा की लिखित तहरीर के आधार पर थाना बिसौली पर मु0अ0सं0 235/26 धारा 305/331(3) BNS पंजीकृत किया गया था । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ सुश्री अंकिता शर्मा द्वारा उपरोक्त अभियोग के सफल अनावरण हेतु अभियुक्तगण की गिरफ्तारी/माल बरामदगी हेतु 04 टीमें गठित की गयी थीं

आज एसएसपी अंकिता शर्मा के आदेशानुसार,अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ0 ह्रदेश कठेरिया के निर्देशन में,क्षेत्राधिकारी बिसौली श्री संजीव कुमार के पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक बिसौली श्री कमलेश कुमार मिश्र के नेतृत्व में थाना बिसौली पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चैकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0 235/26 धारा 305/331(3) BNS से सम्बन्धित 01 अभियुक्त रवि कुमार सिंह उर्फ सिट्टू पुत्र स्व0 गजेन्द्र सिंह निवासी ग्राम दवतोरी थाना बिसौली जनपद बदायूँ उम्र करीब 30 वर्ष को थाना बिसौली क्षेत्र के ग्राम खजुरिया के निकट से गिरफ्तार किया गया ।

अभियुक्त के कब्जे से चोरी के 190400/-रु0,एक जोड़ी कड़े सफेद धातु,एक जोड़ी पायल सफेद धातु तथा तीन सफेद धातु के सिक्के बरामद किये गये । माल बरामदगी के आधार पर अभियोग में धारा 317(2) बीएनएस की वृद्धि की गयी है । गिरफ्तार शुदा अभि0 को समय से मा0 न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है

संभावित बाढ़ आपदा से निपटने के लिए तीन स्थानों पर मॉक ड्रिल

क्यूँ न लिखूँ सच/ बदायूँ जनपद में संभावित बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने तथा राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों का आकलन करने के उद्देश्य से गुरुवार को जिलाधिकारी अवनीश राय की मौजूदगी में तहसील सदर के कछला गंगा घाट पर मॉक ड्रिल का आयोजन हुआ। इसके अलावा तहसील दातागंज के अटेना पुख्ता घाट एवं तहसील सहसवान के माजरा सिठौलिया खाम में अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने तथा राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा आपदा की स्थिति में किए जाने वाले राहत एवं बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया गया तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया की क्षमता का परीक्षण किया गया।

अभ्यास के दौरान बाढ़ प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने, राहत सामग्री वितरण, चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने तथा संचार व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने संबंधी कार्यों का पूर्वाभ्यास किया गया। संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आपदा प्रबंधन की तैयारियों का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य संभावित बाढ़ की स्थिति में जनहानि एवं संपत्ति के नुकसान को न्यूनतम करना तथा सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता करना है, साथ ही आमजन को भी आपदा के समय सतर्क रहने एवं प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने के प्रति जागरूक किया गया।

संक्षिप्त समाचार

दो अलग अलग स्थानों पर सदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला, पुलिस जांच में जुटी

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती के थाना इकौना क्षेत्र अंतर्गत चुनावा बनकटी गांव में एक विवाहिता महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। चुनावा बनकटी के रहने वाली सपना बानो की देर रात अचानक हालत बिगड़ गई। परिजनों के द्वारा उसे सीएससी इकौना लाया गया जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक महिला के ससुर के मुताबिक 2 वर्ष पूर्व शादी हुई थी। कोई बच्चे नहीं थे और उसका पति मुंबई मजदूरी करके घर लौटा था। सूचना पाते ही मौके पर पुलिस व फोरेंसिक टीम ने पहुंचकर परीक्षण किया वहीं पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज कर कार्यवाही शुरू की। दूसरी घटना थाना इकौना कस्बे के मोहल्ला कबीर नगर निवासी कृष्ण कुमार तिवारी उर्फ शिकारी की उसके ही घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक कृष्ण कुमार तिवारी अपने बच्चों व पत्नी से अलग रहते थे। सुबह जब मृतक का बेटा घर में पहुंचा तो देखा कि उसका पिता मृत अवस्था में पड़ा हुआ है। सूचना पाते ही मौके पर थाना प्रभारी निरीक्षक परमानंद तिवारी व फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्रित किया वहीं पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया। इन दोनों घटना से पूरे परिवार में मातम पसरा हुआ है।

मातृ पोषण परामर्श कार्यक्रम आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती सीएचसी मल्हीपुर में बाल विकास परियोजना जमुनहा और बाल रक्षा भारत संस्था की ओर से मातृ पोषण परामर्श एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच की। साथ ही महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, आयरन एवं कैल्शियम की खुराक लेने तथा संतुलित एवं पौष्टिक आहार अपनाने के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग जमुनहा की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं बाल रक्षा भारत की संयुक्त टीम ने पोषण स्टॉल लगाकर गर्भवती महिलाओं को पोषण संबंधी जानकारी दी।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत पेड़ से लटका मिला शव

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती- सोनवा क्षेत्र के इटरौली गांव निवासी युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। शव गांव के पूरब स्थित बगीचे में

गूलर के पेड़ से लटका पुलिस व फारेंसिक टीम घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र कर मामले की जांच में जुटी है। इटरौली गांव निवासी राधे दो भाई हैं। बड़े भाई रंगीलाल मानसिक रूप से बीमार हैं। दोनों के अलावा परिवार में कोई नहीं है। राधे गांव के ही मुनेश्वर प्रसाद के यहां रहकर खेत की देखभाल करते थे। सुबह गांव के पूरब मुनेश्वर के बगीचे में गूलर के पेड़ से गमछे के फंदे के सहारे राधे का शव लटका मिला। बगीचे में शव लटका देख ग्रामीण सहम गए।सूचना पर पहुचे सोनवा थानाध्यक्ष विशुनदेव पांडेय व चंद्रखा बुजुर्ग पुलिस चौकी प्रभारी रामसजीवन निषाद पुलिस टीम के साथ पहुंचे। शव को नीचे उतरवाया। इकौना सीओ आलोक कुमार सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा।

एसएसपी अनुराग आर्य का सख्त एक्शन 16 शातिरों की हिस्ट्रीशीट खोलकर कसा शिकंजा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बरेली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 16 शातिर अपराधियों की क्लास-बी हिस्ट्रीशीट खोली है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार ये अपराधी लूट, छिनैती, चोरी, गौवध, मादक पदार्थों की तस्करी, मारपीट, बलवा, दंगा, हत्या और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर अपराधों में संलिप्त रहे हैं। खोली गई हिस्ट्रीशीट में थाना शाही के 3, थाना फतेहगंज पश्चिमी के 3, थाना क्योलड़िया के 2, थाना सुभाषनगर के 2, थाना मीरगंज के 2, थाना आंवला के 2 तथा थाना बारादरी और बहेड़ी के 1-1 अपराधी शामिल हैं। अपराध की प्रकृति के आधार पर लूट/चोरी/छिनैती के 4, हत्या के प्रयास व चोरी से जुड़े 3, गौवध के 3, मादक पदार्थ तस्करी के 3, हत्या के 2 और मारपीट/बलवा/दंगा से जुड़े 1 अपराधी की हिस्ट्रीशीट खोली गई है। एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि हिस्ट्रीशीटरों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाए और अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

सूचना के अधिकार की अनदेखी? ऊषा तिवारी की पदोन्नति से जुड़े दस्तावेजों पर उठे सवाल?

क्यूँ न लिखूँ सच/ मानस मिश्रा /चितरंगी, सिंगरौली। महिला एवं बाल विकास विभाग की चितरंगी परियोजना में पदस्थ प्रवेक्षक ऊषा तिवारी की कथित फर्जी पदोन्नति को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। मामले में सूचना के अधिकार **(RTI)** के तहत मांगी गई जानकारी उपलब्ध नहीं कराए जाने पर विभागीय अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता द्वारा 5 जनवरी 2026 को सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत आवेदन प्रस्तुत कर ऊषा तिवारी की पदोन्नति से संबंधित अभिलेख एवं दस्तावेज मांगे गए थे। आरोप है कि महिला एवं बाल विकास परियोजना चितरंगी-01 के परियोजना अधिकारी सत्येंद्र सोंधिया द्वारा जवाब दिया गया कि संबंधित नस्ती (फाइल) कार्यालय में उपलब्ध नहीं है।

मामले को लेकर शिकायतकर्ता का कहना है कि जब पदोन्नति के आधार पर कर्मचारी वर्तमान में पदस्थ हैं, तो उससे संबंधित मूल दस्तावेज और अभिलेख विभागीय कार्यालय में होना आवश्यक है। ऐसे में फाइल के उपलब्ध नहीं होने का जवाब कई सवाल खड़े करता है।

शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि इसी तरह के मामले में जबलपुर हाईकोर्ट के स्पष्ट आदेश होने के बावजूद दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। बताया गया है कि न्यायालय के आदेश की प्रतियां परियोजना अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी को भी उपलब्ध कराई जा चुकी हैं, लेकिन इसके बाद भी जानकारी देने में टालमटोल की जा रही है।मामले में यह सवाल उठ रहा है कि यदि उच्च न्यायालय के निर्देशों के बावजूद संबंधित अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं, तो क्या विभागीय अधिकारी न्यायालय के आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं? साथ ही यह भी जांच का विषय है कि पदोन्नति से संबंधित फाइल आखिर कहां है और यदि फाइल गायब है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है। स्थानीय लोगों और शिकायतकर्ताओं ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि पदोन्नति नियमों के विपरीत हुई है तो उसकी भी जांच होनी चाहिए और यदि दस्तावेज जानबूझकर छिपाए जा रहे हैं तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

अब सबकी निगाहें जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों पर टिकी हैं कि वे इस मामले में क्या कदम उठाते हैं और सूचना के अधिकार तथा न्यायालय के आदेशों का पालन सुनिश्चित करते हैं या नहीं।

नोटिस जारी, लेकिन कार्रवाई का इंतजार: क्या जिला सीईओ दिखाएंगे सख्ती या फिर चलता रहेगा दिखावा?

क्यूँ न लिखूँ सच/ मानस मिश्रा / चितरंगी। जनपद पंचायत चितरंगी अंतर्गत ग्राम पंचायत शेरवा में निर्माणाधीन पीसीसी सड़क में कथित अनियमितताओं के मामले में शिकायतों के बाद संबंधित अधिकारियों द्वारा नोटिस तो जारी कर दिया गया है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है इससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है और वे सवाल उठा रहे हैं कि आखिर जिम्मेदारों पर कार्रवाई कब होगी ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण में निर्धारित मानकों की अनदेखी की गई तथा निर्माण सामग्री की गुणवत्ता को लेकर लगातार शिकायतें सामने आती रहीं मामले के प्रकाश में आने के बाद विभागीय स्तर पर नोटिस जारी कर औपचारिकता पूरी कर ली गई, लेकिन जांच और दंडात्मक कार्रवाई की दिशा में अब तक कोई स्पष्ट कदम नहीं उठाया गया है स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जांच में अनियमितता की पुष्टि होती है तो संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए वहीं यदि शिकायतें निराधार हैं तो प्रशासन को स्थिति स्पष्ट कर लोगों के बीच फैली शंकाओं को दूर करना चाहिए अब निगाहें जिला पंचायत सीईओ पर टिकी हैं सवाल यह है कि क्या जिले के शीर्ष अधिकारी इस मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करेंगे, या फिर नोटिस जारी करने तक ही पूरा मामला सीमित रह जाएगा समय रहते उचित निर्णय नहीं होने पर सरकारी धन की गुणवत्ता और जवाबदेही को लेकर उठ रहे सवाल और गहरे हो सकते हैं टिप्पणी- नोटिस जारी करना प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन वास्तविक जवाबदेही तभी साबित होती है जब जांच निष्पक्ष हो और दोषियों पर कार्रवाई भी दिखाई दे।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस मुठभेड़ में कन्नौज का बदमाश घायल: फर्रुखाबाद में चेकिंग के दौरान की फायरिंग, जवाबी हमले में आरोपी के पैर में लगी गोली

क्यूँ न लिखूँ सच/श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद में कंपिल थाना पुलिस की बुधवार रात चेकिंग के दौरान एक बाइक सवार संदिग्ध व्यक्ति से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में संदिग्ध के दाहिने पैर में गोली लगी है। उसे उपचार के लिए लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल बदमाश कन्नौज जनपद का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाब में पुलिस ने भी आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिससे संदिग्ध घायल हो गया। उसके दाहिने पैर में गोली लगी है। पूछताछ में उसने अपना नाम रविदास उर्फ करिया, निवासी जनपद कन्नौज बताया है। पुलिस के अनुसार, रविदास पूर्व में चोरी जैसी कई घटनाओं में शामिल रहा है और वह किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में था। संदिग्ध व्यक्ति के पास से एक तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। उसने बताया कि बाइक दिल्ली से चोरी की गई थी। उस पर चोरी और गैंगस्टर सहित 10 से अधिक मामले दर्ज हैं। कंपिल पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

केदारनाथ यात्रा के दौरान बड़ा हादसा- कायमगंज के कंपिल निवासी युवक की गहरी खाई में गिरने से मौत, परिवार में कोहराम

क्यूँ न लिखूँ सच/श्याम जी कश्यप/ कायमगंज / फर्रुखाबाद/ उत्तराखंड में बाबा केदारनाथ के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं के दल के साथ एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है। केदारनाथ यात्रा मार्ग पर घोड़े से संतुलन बिगड़ने के कारण एक युवक गहरी खाई में जा गिरा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान फर्रुखाबाद जिले के कायमगंज तहसील अंतर्गत कंपिल नगर (मोहल्ला मांझगांव) निवासी प्रिंस शुक्ला (28 वर्ष) के रूप में हुई है। इस दुखद खबर के बाद से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। दर्शन कर लौटते समय हुआ हादसा- मिली जानकारी के अनुसार, प्रिंस शुक्ला बीते शुक्रवार को अपने ससुराल के लोगों और मित्रों सहित लगभग एक दर्जन साथियों के साथ बाइकों से केदारनाथ धाम की यात्रा पर निकले थे। बुधवार सुबह करीब 10 बजे, बाबा केदारनाथ के दर्शन करने के बाद प्रिंस घोड़े पर सवार होकर सोनप्रयाग की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान यात्रा मार्ग पर अचानक घोड़े से उनका संतुलन बिगड़ गया और वे सीधे गहरी खाई में जा गिरे। रेस्क्यू टीम के पहुंचने से पहले थमी सांसें- हादसा होते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आस-पास मौजूद स्थानीय लोगों और साथी तीर्थयात्रियों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम भी मौके पर पहुंच गई, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और प्रिंस की सांसें थम चुकी थीं। तीन साल पहले हुई थी शादी, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़- प्रिंस शुक्ला कंपिल के नरेंद्र शुक्ला के पुत्र थे। वे चार बहनों और दो भाइयों में बेहद जिम्मेदार और मिलनसार स्वभाव के थे। करीब तीन साल पहले ही उनकी शादी हुई थी और उनका एक साल का मासूम बेटा भी है। घटना से कुछ घंटे पहले ही प्रिंस की फोन पर अपने परिजनों से बात हुई थी, जिससे परिवार को इस अनहोनी पर विश्वास नहीं हो रहा है। मृतक के माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पत्नी बेसुध हो गई है। इस हादसे के बाद से प्रिंस के साथ यात्रा पर गए उनके साथी भी गहरे सदमे में हैं। फिलहाल परिजन और क्षेत्र के लोग अत्यंत गमगीन माहौल में शव के घर पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं।

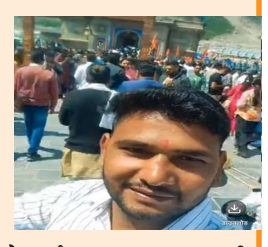

दोनों बचकर न जाएं, कत्ल से पहले हुआ झगड़ा; चार माह पहले लव मैरिज करने वाले युवक की हत्या में नया खुलासा

सहारनपुर के रामपुर मनिहारान कस्बे में हुए शिवकुमार हत्याकांड में नया खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि शिवकुमार की हत्या से कुछ देर पहले भी उसका आरोपियों के साथ झगड़ा हुआ था। पता चला है कि आरोपी मंजीत अपनी बहन आकांक्षा को जबरदस्ती अपने साथ लेकर घर जाना चाहता था। सहारनपुर के रामपुर मनिहारान कस्बे में हुए शिवकुमार हत्याकांड में पुलिस ने आरोपी विमला और कर्मवीर को गिरफ्तार कर लिया है, जो शिवकुमार की पत्नी आकांक्षा की मां और मामा है। अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही है। बता दें, कि शामली जिले के गांव खेड़ी बैरागी निवासी शिवकुमार (27) अपनी पत्नी आकांक्षा को पुलिस भर्ती की परीक्षा दिलाने के लिए मंगलवार को रामपुर मनिहारान स्थित गोचर कृषि इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र पर आया था। परीक्षा खत्म होने के बाद शिवकुमार अपने ममेरे भाई और आकांक्षा के साथ कार से जा रहा था, तभी रास्ते में आकांक्षा के भाई मंजीत व अन्य आरोपियों ने शिवकुमार की गोली मारकर हत्या कर दी थी।शिवकुमार और आकांक्षा एक ही गांव के रहने वाले थे। दोनों ने चार माह पहले प्रेम विवाह किया था, जिससे आकांक्षा के परिजन नाराज थे। पुलिस ने आकांक्षा के भाई आरोपी मंजीत, परमजीत, मां विमला, मौसम, आदित्य, मामा कर्मवीर व अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। %गांव के लोग ताना मारते थे जिससे वे तंग आ चुके थे% पोस्टमार्टम में आया है कि उसकी मौत एक गोली सिर में लगने से हुई थी जो सिर में ही धंसी रह गई थी। एसपी सिटी व्योम बिंदल ने बताया कि विमला और कर्मवीर को गिरफ्तार कर लिया गया है। विमला ने बताया कि गांव के लोग ताना मारते थे जिससे वे तंग आ चुके थे।हत्या से पहले हुआ था आरोपियों के साथ झगड़ा- यह भी सामने आया कि शिवकुमार की हत्या से कुछ देर पहले भी उसका आरोपियों के साथ झगड़ा हुआ था। पता चला है कि आरोपी मंजीत अपनी बहन आकांक्षा को जबरदस्ती अपने साथ लेकर घर जाना चाहता था। आकांक्षा और उसके पति शिवकुमार ने इसका विरोध किया। वहां पर उनके बीच काफी झड़प हुई, जिसके बाद शिवकुमार अपनी पत्नी आकांक्षा को कार में बिठाकर वहां से चल दिया था। उसी समय आकांक्षा के परिजनों ने कह दिया था कि दोनों बचकर नहीं जा पाओगे।परीक्षा केंद्र के आसपास बढ़ाई गई सख्ती- यह घटनाक्रम परीक्षा केंद्र से दूर हुआ है, लेकिन बुधवार को परीक्षा केंद्र के आसपास पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ा दी गई। कोई भी बाहरी व्यक्ति केंद्र के आसपास फटकने नहीं दिया। हालांकि यह पुलिस भर्ती परीक्षा की मुस्तैदी के लिए किया गया था, लेकिन इसे मंगलवार को घटनाक्रम से जोड़कर भी देखा जा रहा है।आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन- चार माह पूर्व परिजनों की मर्जी के बिना प्रेम विवाह करने वाले गांव खेड़ी बैरागी निवासी शिवकुमार (27) की हत्या को लेकर परिजनों और ग्रामीणों में गम व गुस्से का माहौल है। मृतका की मां कांति देवी ने कहा कि परिवार को न्याय मिलना चाहिए तथा सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए एनकाउंटर होना चाहिए। चेतावनी दी कि अगर उन्हें न्याय नहीं मिलता तो आंदोलन किया जाएगा। उधर, पोस्टमार्टम के बाद बुधवार सुबह गांव में शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस दौरान ग्रामीण, परिचित व रिश्तेदार मौजूद रहे। शिवकुमार की मंगलवार को जिला सहारनपुर के रामपुर मनिहारन क्षेत्र में गोली मारकर हत्या कर दी थी। उस समय वह अपनी पत्नी आकांक्षा को पुलिस भर्ती परीक्षा दिलाने के बाद घर लौट रहा था। परिजनों की तरफ से आकांक्षा ने अपने भाई व मामा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। शिवकुमार और आकांक्षा एक ही गांव के निवासी थे तथा दोनों के घर आमने-सामने हैं। करीब चार माह पूर्व दोनों ने प्रेम विवाह किया था। युवती के परिजनों के सहमत न होने पर दोनों शामली में अटल बिहार कॉलोनी में रह रहे थे। विवाह के बाद से दोनों परिवारों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई थी। बुधवार को सुबह शव गांव में पहुंचा। इसके बाद गमगीन माहौल में शव का अंतिम संस्कार किया गया। शांति व्यवस्था के लिए गांव में पुलिस बल तैनात रहा। मृतक की मां कांति देवी ने बेटे की हत्या को सुनियोजित साजिश बताते हुए आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि परिवार को पहले भी चार-पांच बार धमकियां मिल चुकी थीं। उसने आरोप लगाया कि हत्या की पूरी योजना आकांक्षा के भाई अजीत, जो सीआरपीएफ में नौकरी करता है ने बनाई थी।शिवकुमार की हत्या को लेकर परिजनों और ग्रामीणों में गम व गुस्से का माहौल- उन्होंने कहा कि परिवार को न्याय मिलना चाहिए तथा सभी आरोपियों का एनकाउंटर होना चाहिए तथा अजीत को नौकरी से निकाल देना चाहिए। घटना में शामिल सभी लोगों के खिलाफ निष्पक्ष एवं कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

बैटरी से चलेगा लकड़ी वाला चूल्हा, धुआं भी नहीं, एक बार में बनाता है दस लोगों का खाना; कीमत है सिर्फ इतनी

कुशीनगर के मार्कंडेय सिंह ने एक ऐसा लकड़ी वाला चूल्हा बनाया है जो बैटरी से चलेगा। धुआं भी नहीं होगा। यह चूल्हा एक बार में दस लोगों का खाना बनाता है। इस रिचार्जेबल चूल्हे की कीमत 1500 रुपये है। अब तक 40 बिक चुके हैं।कुशीनगर के उजारनाथ के ग्रामीण क्षेत्रों में लकड़ी के पारंपरिक चूल्हों से निकलने वाले धुएं और अधिक ईंधन खपत की समस्या के बीच करमैनी गांव के मार्कंडेय सिंह ने अनोखा समाधान खोज निकाला है।

गांव निवासी मार्कंडेय सिंह ने ऐसा धुआं रहित लकड़ी का चूल्हा तैयार किया है, जो कम लकड़ी में अधिक तापमान उत्पन्न करता है और भोजन को जल्दी पकाने में मदद करता है।स्टील से निर्मित इस चूल्हे में छोटा पंखा और रिचार्जेबल बैटरी लगाई गई है। पंखा लकड़ी को लगातार ऑक्सीजन उपलब्ध कराता है, जिससे दहन बेहतर होता है और धुएं का उत्सर्जन काफी कम हो जाता है। मार्कंडेय सिंह के अनुसार, एक बार चार्ज करने पर बैटरी लगभग तीन दिन तक कार्य करती है।

उन्होंने बताया कि इस चूल्हे से ईंधन की खपत भी कम होती है। उनका दावा है कि करीब एक किलोग्राम लकड़ी से दस लोगों के लिए भोजन तैयार किया जा सकता है। धुआं कम निकलने से रसोई में काम करने वाली महिलाओं को भी राहत मिलती है। तमकुहीराज की एसडीएम आकांक्षा मिश्रा ने चूल्हे का परीक्षण कर इसकी कार्यप्रणाली को देखा। नवाचार से प्रभावित होकर उन्होंने इसकी सराहना की और स्वयं भी एक चूल्हा खरीदा। एक बार चार्ज करने पर तीन दिन चलता है चूल्हे में 12 वोल्ट की बैटरी और एक पंखा लगा है। बैटरी रिचार्जेबल है जो तीन घंटे में पूरी तरह चार्च हो जाती है। एक बार चार्ज करने के बाद यह करीब 12 घंटे तक आराम से चल सकती है। इसको बनाने की लागत करीब एक हजार रुपये आती है। गैस चूल्हे की तरह इसकी आंच को भी कम और ज्यादा किया जा सकता है। दसवीं तक ही शिक्षा... मार्कंडेय सिंह की शिक्षा दसवीं तक ही हुई है पर तकनीकी काम करने के कारण उनके मन में हमेशा कुछ न कुछ करने की इच्छा रहती थी। मुंबई से लेकर दुबई तक रोजी-रोटी के सिलसिले में गए। करीब एक साल पहले उनके दिमाग में इस तरह के चूल्हे का ख्याल आया। तीन बार असफल रहे पर चौथी बार में कामयाबी मिली और आज जो भी लोग उनके बनाए चूल्हे का इस्तेमाल कर रहे हैं वे इसके मुरीद हो चुके हैं।

जनपद फर्रुखाबाद में बाढ़ आपदा से निपटने हेतु राज्य स्तरीय मेगा मॉक ड्रिल का सफल आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/श्याम जी कश्यप/ संभावित बाढ़ आपदा की स्थिति में जनपद की तैयारियों का परीक्षण एवं विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, फर्रुखाबाद द्वारा दिनांक 11 जून, 2026 को राज्य स्तरीय मेगा बाढ़ मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। जनपद की तीनों तहसीलों के चिन्हित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आयोजित इस अभ्यास का शुभारम्भ प्रातः 09:00 बजे किया गया तथा विभिन्न आपदा परिदृश्यों का सफलतापूर्वक

प्रदर्शन एवं अभ्यास करते हुए इसका समापन सायं 04:30 बजे किया गया। इसी प्रकार तहसील कायमगंज के ग्राम गुटैटी दक्षिण, थाना एवं विकास खण्ड शमसाबाद में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित निकालकर वाहनों के माध्यम से राहत शिविरों तक पहुंचाने, राहत सामग्री वितरण, चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने तथा विभिन्न विभागों के मध्य समन्वित कार्यवाही का सफल अभ्यास किया गया। मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में विभिन्न विभागों एवं आपदा प्रतिक्रिया बलों की तैयारियों का मूल्यांकन करना, उपलब्ध संसाधनों एवं व्यवस्थाओं की प्रभावशीलता का परीक्षण करना, विभागीय समन्वय को सुदृढ़ बनाना तथा जनसामान्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही का अभ्यास करना था॥ सुरक्षित पुनर्स्थापन, राहत शिविर संचालन, खाद्य एवं पेयजल व्यवस्था तथा आपदा प्रबंधन की अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया। संबंधित विभागों द्वारा निर्धारित मानकों एवं प्रोटोकॉल के अनुरूप कार्यवाही करते हुए आपदा प्रबंधन की समग्र तैयारियों का प्रभावी प्रदर्शन किया गया।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित यह मेगा मॉक ड्रिल जनपद में आपदा प्रबंधन संबंधी सतत तैयारियों, विभागीय समन्वय तथा त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र की दक्षता का परिचायक रही। अभ्यास के सफल आयोजन पर जिला प्रशासन एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सभी संबंधित विभागों, अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वयंसेवकों एवं आपदा मित्रों के सहयोग की सराहना करते हुए भविष्य में भी आपदा प्रबंधन संबंधी तैयारियों को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने का आह्वान किया।

The Showers of Sawan and the Tune of Kajri - Why is this special folk song of Bihar sung amidst dark clouds and swings?

Kajri is sung in Bihar and eastern Uttar Pradesh to welcome the month of Sawan. This folk song is deeply rooted in Bihar's culture. Kajri is a folk song sung during the month of Sawan.

It is sung in Bihar and eastern Uttar Pradesh. Women sing this folk song together. Bihar's folk culture is so rich that special folk songs have been created for the birth of a child, wedding, festival, and even for every season. Just as Chaiti is sung in the month of Chaitra, similarly, when dark clouds gather in the sky after the scorching heat and the first showers of Sawan drench the earth, the tune of Kajri resonates in the of Bihar and eastern Uttar Pradesh. Kajri is not just a folk song, but a story of the joy of women, the beauty of Sawan, and the the natural beauty of the villages. During the months of Sawan and Bhado, when the rain showers drench the earth, women and girls swing and sing Kajri songs to welcome Sawan. How did Kajri originate? Kajri is derived from the Hindi word Kajli or Kajal. It is believed to be directly related to dark clouds. Historically, Kajri has been considered a part of sub- classical music, but its true spirit resides in folk songs. It is believed to have originated in the Mirzapur region of Uttar Pradesh and from there, it spread to Banaras, Bhojpur, and Mithila. Today, it has become so ingrained in Bihar's culture that Sawan feels incomplete without Kajri. The importance of Kajri in Bihar's culture: Kajri is primarily sung by women. Groups of women gather together to sing Kajri to welcome Sawan. Kajri is sung to express people's joy when the raindrops fall after the scorching heat. Women sing Kajri together while planting paddy in the fields, welcoming the month of Sawan. Kajri is also sung to express the pain of separation. In ancient times, men would migrate to foreign lands for employment. During the pleasant season of Sawan, women sang Kajri to express their grief. There is also a tradition of swinging on a swing during the month of Sawan in Bihar and eastern Uttar Pradesh. Women swing on swings during Sawan and sing Kajri together. Kajri's religious significance: Kajri also has a religious basis. It is sung in praise of Goddess Vindhyavasini and in connection with the exploits of Radha and Krishna. Just as the refrain "Ho Rama" is used in Chaiti, the tune "Re Hari" resonates in Kajri. "Rimjhim barse paniya, jhule Radha raniya re Hari…" Bihar's cultural heritage: Kajri is so deeply ingrained in Bihar's folk culture that Sawan seems incomplete without it. For centuries, the tradition of singing Kajri has been passed down from generation to generation. Mothers learn from grandmothers, and daughters from theirs. This is how Kajri is passed down through generations through oral tradition.

How did Kolkata get the name "City of Joy"? An interesting story related to a French book.

Kolkata is very special for many reasons. The fact that it is called the City of Joy makes it even more special. Let's learn the story behind this name. Kolkata is called the City of Joy for many reasons. It was first used in a book. India, a country of diversity, is known worldwide for its beauty. There are many tourist destinations here that attract visitors not only from India but also from abroad. Each place has its own unique charm, and one of these special places is Kolkata, the capital of Bengal. Kolkata is not just a city, but a sea of ??vibrant culture, deep faith, and festivities. The city's history is narrated by ancient buildings, the sound of conch shells echoing in the streets, a testament to faith, and the joy of festivals that reflect happiness. All these things make this city the "City of Joy." In this article, let's explain why Kolkata was given this name. Why is it called the "City of Joy"? Kolkata got its name from the famous book by French author Dominique Lapierre. It was after this book, "City of Joy," that the name resonated worldwide. This book showed how, even in the most challenging circumstances, its people maintain compassion, hope, and connection. Furthermore, several other factors make it the "City of Joy": Festivals Celebrating Life: Every festival in Kolkata is a symbol of collective devotion. Especially during Durga Puja, the entire city transforms into a grand pandal and a paradise. Here, everyone celebrates by immersing themselves in the colors and music of devotion to the Mother Goddess. Warmth of the People: The people here have a unique sense of service towards others. Making even a stranger feel at home and working together to overcome every difficult situation is a tradition here. Cultural Heritage: Places like Rabindra Sadan, Nandan Film Centre, Lalit Kala Academy, and the Indian Museum capture the city's artistic soul. The taste of this place touches the heart: The taste of the dishes available here connects the hearts of people. Be it spicy puchka or rolls, the traditional sweets and hot tea, all these are the heartbeat of this city. Best time to visit Kolkata - After knowing about the specialties of this city, if you are planning to visit here, then the season between October to February is considered the best for this place. How to reach here? If you are going to Kolkata by air, then you can go to Netaji Subhash Chandra Bose Airport. Whereas, by rail, reach Howrah and Sealdah stations and by road, it is very well connected to the entire country.

Despite your best efforts, your weight isn't reducing? Are you suffering from insulin resistance? Here's how to identify it.

Due to deteriorating lifestyle and diet, insulin resistance is becoming a common problem. It can lead to diabetes and other serious illnesses. Insulin resistance can cause diabetes. In this condition, blood sugar levels rise. Poor lifestyle and diet are the main causes. With changing lifestyle and eating habits, insulin resistance is becoming a very common problem. It is a condition in which cells stop using the hormone insulin properly. This causes blood sugar to rise, and if not addressed promptly, it can lead to type 2 diabetes and other serious illnesses. However, the good news is that you can recognize the symptoms of insulin resistance and treat it. Clinical dietitian Urvi Gohil shares some tips. Let's learn about them. What are the symptoms of insulin resistance? Many people ignore the symptoms of insulin resistance, mistaking them for minor fatigue or weight gain. However, it's important to recognize them early. Belly fat: Weight gain, especially the persistent accumulation of fat around the lower abdomen, is a major sign. Difficulty losing weight: If you're not losing weight despite repeated efforts, dieting, and exercise, this could also be a sign of insulin resistance. Fatty liver: Excess fat accumulation in the liver. PCOS: Hormonal imbalance in women can cause irregular periods and the formation of ovarian cysts. Darkening of the neck and armpits: Darkening of the skin, especially the back of the neck and armpits, becomes velvety and dark. Brain fog: Lack of concentration or forgetfulness. Constant hunger and sweet cravings: A strong desire for sweets, even immediately after eating, and frequent hunger pangs. Energy crash: A sudden feeling of lethargy or a sudden drop in energy levels after eating. High triglycerides - Blood tests show elevated triglyceride levels. What to do to improve insulin resistance? Include protein in breakfast - Start your day with a protein-rich breakfast. This keeps your blood sugar balanced. Avoid eating only carbs - Avoid eating foods that contain only carbohydrates. Always combine carbs with fiber, fat, or protein. Stay away from refined flour and sugar - Eat as little as possible of foods made with refined flour and sugar. Avoid liquid calories - Limit liquid calories like packaged juices, cold drinks, and sweet tea and coffee, as these directly increase blood sugar. Take a 10-minute walk after meals - Take at least a 10-minute walk immediately after lunch or dinner. Eat dinner early - Eat your dinner at least 2-3 hours before bedtime. 12-hour fasting - Keep at least a 12-hour gap between dinner and breakfast the next day. Strength training: 2-3 times a week helps your muscles use insulin better. Stress and sleep management: Get 7-8 hours of deep sleep daily and practice meditation or pranayama to reduce stress.

"Wearing revealing clothes..." Kareena lashes out at the heroine for being "objectified," Jaya Bachchan also expresses her anger

Jaya Bachchan and Kareena Kapoor Khan have expressed their displeasure over the objectification of women amid the Peddi controversy. Jaya and Kareena's statement amid the Peddi controversy: Actresses speak out against the objectification of women - The issue of objectification in Bollywood heats up. Peddi released, and Janhvi Kapoor's bold scenes sparked controversy. Initially, the issue of objectification of women heated up on social media, and now celebrities are also reacting to the issue. From South to Bollywood... film stars are angry at the makers of Peddi for objectifying heroines. Now Jaya Bachchan and Kareena Kapoor Khan have given their reaction on objectifying heroines and told that this had happened to them too once. Jaya Bachchan expressed her opinion on the issue- Jaya Bachchan recalled her days when attempts were being made to show her more bold in the films. In a conversation with Deccan Chronicle, the actress said- No one dared to cross the limits with me. I had such a bad experience only once when a director looked at me like an 'object'. I never worked with him after that. Kareena Kapoor also got angry- In a conversation with Nayandeep Rakshit, Kareena Kapoor expressed her anger on presenting women as objects. She said that sensual scenes can be filmed even in covered clothes. She said, "Look at Kajol in the song 'Suraj Hua Maddham' from the film 'Kabhi Khushi Kabhie Gham' or Sridevi ji in the song 'Tere Mere Hothon Pe' from the film 'Chandni' - they created magic on screen without even exposing their body." Citing the example of her mother-in-law, Kareena said, "In the song 'Roop Tera Mastana' from the film 'Aradhana', my mother-in-law (Sharmila Tagore) was covered from head to toe. Still, she was an epitome of sensuality. I believe that looking sensual on screen does not mean wearing short or revealing clothes or presenting someone as just an 'object'."

This iconic song has been bringing solace to betrayed lovers for years, garnering 300 million views on YouTube.

This song is often included in the playlists of those who have been betrayed. This song has brought solace to betrayed lovers, garnering 300 million views on YouTube. The song was released 9 years ago. Bollywood lovers' playlists are songs, but amidst all this, a few years ago, a source of support for heartbroken lovers. make them cry, but instead served as a source released 9 years ago, but betrayed people still and hum it. It is widely used in social media and awaken a desire to overcome. The lyrics rejected my love, I will see my revenge." This Shadi Mein Jarur Aana, starring Kriti Rao. The story revolves around Kriti and but on their wedding day, Kriti learns that Services exam and runs away. A few years embroiled in a case, she discovers that the become an IAS officer, and her case is being which has become a source of support for garnered over 300 million views on YouTube, after nine years. The song is sung by Krishna directed by Anand Raj Anand. The lyricist is Gaurav Krishna Bansal. It is filmed on Rajkummar Rao and Kriti Kharbanda.

often filled with romantic song emerged that became a Unlike other songs, it didn't of strength. This song was consider it a source of strength reels. Its lyrics strike a chord of this song are: "Having song is from the 2017 film Kharbanda and Rajkummar Rajkummar Rao's wedding, she has cleared the Civil later, when she becomes groom she left behind has handled by him. This song, heartbroken lovers, has making it a popular song even Beuraa, and its music is

Ramanand Sagar became famous as Dashrath in Ramayan, a scene that made Ramanand Sagar weep; where is Bal Dhuri, who has given 22 films, now anonymous?

Actor Bal Dhuri, who played Dashrath in Ramayan, became famous with just one character. He became famous in every household as Dashrath in Ramayan. The director became emotional during Dashrath's scene - Bal Dhuri of Ramayan won the hearts of millions. Every character in Ramanand Sagar's "Ramayan" captured the hearts of the audience, whether it was Arun Govil in the role of Lord Rama or Deepika Chikhalia in the role of Mother Sita. One of these characters is Dashrath (Ramayan Dashrath). Bal Dhuri played the role of King Dashrath in Ramanand Sagar's "Ramayana." Although Bal Dhuri acted in the industry for years, his true identity came with the role of Dashrath in the mythological show. This one character made him a household name. Ramayan brought him success: Bal Dhuri was more active in Marathi films than Hindi cinema. He worked in the Hindi film "Jai Bajrang Bali," the Marathi film "Soon Majhi Laxmi," and the TV series "Singhasan Battisi." However, when he appeared in Ramanand Sagar's Ramayan, he became a sensation. People on the set became emotional. Ramanand Sagar - from the joy of his eldest son Ram's birth to the anguish for his son during his exile... Bal Dhuri, playing Dasharatha, expressed every emotion with such intensity that not only the audience but everyone on the set was moved. Once, even Ramanand Sagar was unable to hold back tears after watching a scene featuring Bal Dhuri. Sunil Lahiri, who played Laxman in Ramayan, once shared an emotional anecdote from the set. He shared how the scene depicting Dasharatha's death moved everyone on set, even Ramanand Sagar's eyes became moist. Besides the death scene, the reason was that it was Bal Dhuri's last day on set. It took time for 'Kaushalya' to recover - People on the set were emotional even on the last day of Bal Dhuri's shoot. Few people know that Jayshree Gadkar, who played Dasharath's wife Kaushalya in Ramayan, was his real life wife. Sunil Lahiri had told that it took his wife Jayshree a day to recover after watching the scene of her husband's death. Where is Bal Dhuri anonymous? - After Ramayan, Bal Dhuri, who played Dasharath, worked in many films. He was most active in Marathi cinema. He worked in about 22 films and then after 2011, he left the industry. No one knows where and what he is doing today. His wife Jayshree Gadkar passed away in the year 2008.